सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 293 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 06 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में शराब की दुकानों में ओवर रेटिंग पर सख्ती, दो एसआई निलंबित

सहायक जिला आबकारी अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों में अधिक कीमत पर बिक्री और अन्य गंभीर अनियमितताओं के मामलों में आबकारी विभाग ने एक ही दिन तीन बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने बलौदाबाजार-भाटापारा और बालोद के दो आबकारी उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 53 पेटी अवैध शराब प्रकरण में बालोद की सहायक जिला आबकारी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा शासन को भेजी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफजीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

आबकारी आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की रोहासी देशी कम्पोजिट शराब दुकान में अधिक कीमत पर शराब बिक्री की शिकायत पर मूल शिकायत के अनुरूप कार्रवाई नहीं करने तथा दुकान के सीसीटीवी सिस्टम को अद्यतन नहीं रखने के कारण आबकारी उपनिरीक्षक पी. माधव राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र में 25 जुलाई को जब्त 53 पेटी अवैध देशी एवं विदेशी शराब की जांच में होलोग्राम के आधार पर शराब का स्रोत बालोद जिले की अरकार देशी कम्पोजिट शराब दुकान पाया गया। जांच में निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में थोक बिक्री सामने आने पर संबंधित वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक आशा राम शाक्य को भी निलंबित कर दिया गया है।

नियमों का उल्लंघन पर की जाएगी कठोर कार्रवाई

इसी प्रकरण में अरकार शराब दुकान की प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी निलोफर जैन के शिथिल नियंत्रण और कर्तव्य के प्रति लापरवाही को गंभीर मानते हुए आबकारी आयुक्त ने उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग को भेज दी है। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि शराब दुकानों के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

खास-खबर

सीजीपीएससी घोटाला, हाईकोर्ट बोला- पेपर लीक हत्या से बड़ा अपराध

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा 2021 के चर्चित घोटाले और पेपर लीक मामले में जेल में बंद आयोग के पूर्व सचिव और रिटायर्ड IAS अधिकारी जीवन किशोर ध्रुव की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक कर लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना हत्या से भी बड़ा अपराध है। हत्या से सिर्फ एक परिवार प्रभावित होता है, लेकिन ऐसे मामलों से पूरे समाज और युवाओं का भरोसा टूटता है। मामले में सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर अपने रिश्तेदारों और पसंदीदा उम्मीदवारों को गलत तरीके से फायदा पहुंचाने का आरोप है। सीबीआई की जांच में सामने आया कि जीवन किशोर ध्रुव ने 6 अक्टूबर 2020 को ष्टत्नक्क्ष्ट का सचिव का पद संभाला था। उनके दस्तखत से ही 2021 की परीक्षा का विज्ञापन जारी किया गया था।

छत्तीसगढ़ में अब तक 99.2 प्रतिशत रिकॉर्ड बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश को लेकर अच्छी खबर है। इस साल मानसून की स्थिति सामान्यतौर पर संतोषजनक है। प्रदेश में एक जून से अब तक औसतन 584.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो कि इस दौरान सामान्य औसत वर्षा का 99.2 फीसदी है। मैदानी इलाकों में अच्छी बारिश होने से धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों में तेजी आई है। वहीं उत्तर और दक्षिण के जिन जिलों में औसत से कम बारिश हुई है, वहां पर आपदा प्रबंधन विभाग और कृषि विभाग की पैनी नजर है।

बंगाल में मस्जिदों के लाउडस्पीकर पर बवाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के लाउडस्पीकर को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। आईएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) के विधायक नौशाद सिद्दीकी ने आरोप लगाया है कि पुलिस बिना किसी लिखित आदेश या आधिकारिक अधिसूचना के मस्जिद कमेटियों पर माइक्रोफोन और लाउडस्पीकर हटाने का दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मस्जिद में ध्वनि प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो प्रशासन को मौजूदा कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए, न कि मौखिक निर्देशों के आधार पर। इस पूरे मामले को लेकर उन्होंने अदालत जाने और पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को ईमेल भेजने की बात भी कही।

केजरीवाल ने कहा- उनका इंस्टा अकाउंट हुआ प्रतिबंधित

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। केजरीवाल ने उन लोगों से भी संपर्क करने की अपील की है। केजरीवाल ने आरोप लगाया- सरकार मेटा पर दवाब डाल रही है कि जो भी एथेनॉल या पेपर लीक के खिलाफ बोल रहा है, उसके अकाउंट को प्रतिबंधित किया जाए। मेटा इस तरह की बदमाशी न करे और मोदी जी के सामने घुटने न टेके।

सीजेपी आंदोलन पर पंजाब पुलिस का बड़ा खुलासा : धमाके की थी योजना

■ **पेट्रोल बम लेकर गए थे आतंकियों के साथी**

नईदिल्ली। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान धमाके का प्लान बनाया था। पंजाब पुलिस ने साजिश में शामिल चार नाबालिग समेत नौ आरोपियों को पकड़ लिया था। आरोपियों से हथियार व गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि आईएसआई के समर्थन वाले एक मॉड्यूल ने हाल ही में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर हमला करने की योजना बनाई थी। एक हैंडलर ने विरोध प्रदर्शन के दौरान टेरर मॉड्यूल के कुछ सदस्यों को पेट्रोल बम बनाने का सामान लेकर जंतर-मंतर भेजा था। लेकिन वे अपने प्लान को अंजाम नहीं दे पाए। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपियों के विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलर स्थानीय युवाओं को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने और सार्वजनिक

शांति भंग करने के लिए भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे।

वर्दीधारी कर्मियों की रेकी का भी सौंपा था काम

भुल्लर ने बताया कि दो आतंकी मॉड्यूल में से एक को आईएसआई हैंडलर्स ने सुरक्षा ठिकानों और वर्दीधारी कर्मियों की रेकी करने और उनके वीडियो बनाकर हैंडलर्स को भेजने का काम सौंपा था। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस और वर्दीधारी बलों के जवानों को निशाना बनाने का काम भी सौंपा गया था। भुल्लर ने कहा कि यह चिंता की बात है कि नाबालिगों को भी देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हवाला और दूसरे तरीकों से आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों को पैसे भेजे जा रहे थे।

बायोफैच इंडिया में विष्णुभोग राइस और केवची के शहद को मिली राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

■ **नई दिल्ली के प्रतिष्ठित जैविक उद्योग व्यापार मेला एवं सम्मेलन में लगी प्रदर्शनी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित देश के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित जैविक उद्योग व्यापार मेला एवं सम्मेलन बायोफैच इंडिया 2026 में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के स्वसहायता समूहों द्वारा उत्पादित जैविक अरपा बिहान विष्णुभोग राइस तथा केवची के जंगलों से संग्रहित प्राकृतिक शहद का राष्ट्रीय स्टॉल में प्रदर्शन किया गया। इस उपलब्धि से जिले के जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान मिलने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ है।

कलेक्टर विजय दयाराम के मार्गदर्शन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावटे के निर्देशन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठन द्वारा तैयार किए जा रहे जैविक उत्पाद लगातार राष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। सम्मेलन में राज्य स्तर से राज्य कार्यक्रम प्रबंधक राजन सोनी, जिले से जिला कार्यक्रम प्रबंधक अभिषेक जायसवाल तथा तिपान एफपीओ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेन्द्र खैरवार ने सहभागिता कर जिले के उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन एवं प्रचार-प्रसार किया। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों तथा मोटे अनाज (मिलेट्स) आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने वाला प्रमुख मंच है, जिसमें देश-विदेश के खरीदार, निर्यातक एवं उद्योग प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इससे जिले के जैविक उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध होने के साथ-साथ वैश्विक पहचान मिलने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

जिला मिशन प्रबंधक दुर्गाशंकर सोनी ने बताया कि आगामी समय में जिले में जैविक विष्णुभोग धान एवं शहद के साथ-साथ सूरन, कटहल एवं अन्य जैविक सब्जियों के उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

आंदोलन खत्म करने पर बन सकती है सहमति सीएम सोरेन ने एसडीएम से भेजा वार्ता का संदेश

रांची ए.। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर पिछले 13 दिनों से आंदोलनरत छात्रों और राज्य सरकार के बीच बातचीत की संभावना बन गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से वार्ता का संदेश मिलने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि गुरुवार को दोनों पक्षों के बीच बातचीत हो सकती है। बैठक का स्थान और समय अब तक बताया नहीं गया है।

बुधवार को मुख्यमंत्री का संदेश लेकर रांची के एसडीएम आंदोलन स्थल पहुंचे और छात्र प्रतिनिधियों से बातचीत कर उन्हें वार्ता के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी बंद कमरे में होने

वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री के साथ बातचीत मीडिया की मौजूदगी में और खुले मंच पर होनी चाहिए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे।

छात्र नेता पीयूष कुमार और रवींद्र पासवान ने कहा कि आंदोलन केवल छात्रों की मांगों को लेकर है और वार्ता भी इन्हीं मुद्दों तक सीमित रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर ठोस सहमति देती है, तभी आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि छात्र किसी राजनीतिक उद्देश्य से आंदोलन नहीं कर रहे हैं, बल्कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और न्याय की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से सत्याग्रह पर बैठे हैं।

रायपुर में माता सीता पर कथित अभद्र टिप्पणी युवक के खिलाफ बजरंग दल का प्रदर्शन

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोशल मीडिया पर माता सीता और हिंदू साधु-संतों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला सामने आया है। इसे लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार शाम थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी युवक पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम वसीम बताया जा रहा है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। बजरंग दल के पदाधिकारियों का आरोप है कि इंस्टाग्राम आईडी wasim_ahmed से माता सीता और हिंदू साधु-संतों के बारे में कथित आपत्तिजनक पोस्ट की गई। संगठन का कहना है कि यह अकाउंट रायपुर के राजा तालाब इलाके में रहने वाले वसीम अहमद का है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि यह अकाउंट उसी व्यक्ति का है। बजरंग दल का कहना है कि इस पोस्ट से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कार्यकर्ताओं ने आरोपी के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आरोपी के खिलाफ नारेबाजी भी की और जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई।

उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी, 8 अगस्त से आएगी कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हालांकि 8 अगस्त से प्रदेश में बारिश की गतिविधियों और तीव्रता में कमी आने के आसार हैं। फिलहाल प्रदेश में मानसून सामान्य स्थिति में बना हुआ है। 1 जून से अब तक सामान्य से 7त्न कम बारिश दर्ज की गई है, जिसे मौसम विभाग ने सामान्य श्रेणी में रखा है।

प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया। वहीं

सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में कहीं-कहीं भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। 8 अगस्त के बाद बारिश की तीव्रता और इसका दायरा धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ जाएगी जजों की संख्या विधेयक को मिली दोनों सदनों से मंजूरी

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत जजों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाले विधेयक को दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई है। बुधवार को राज्यसभा ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा के बाद ध्वनिमत से पास कर दिया। बता दें कि लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है।

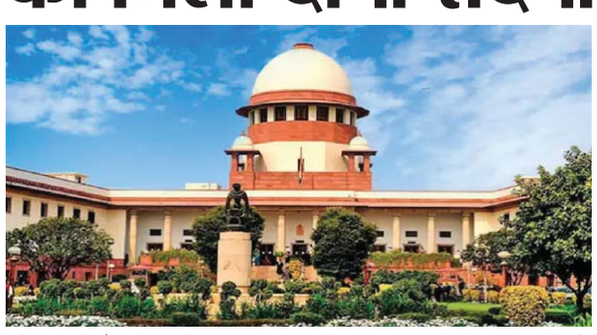

इससे पहले राज्य सभा की बैठक दो बार स्थगित होने के बाद बुधवार दोपहर 2 बजे कार्यवाही शुरू हुई। इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक

को चर्चा के लिए पेश किया। हंगामे के बीच ही उपसभापति ने विधेयक पर चर्चा शुरू कराई, जिसमें अलग अलग दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। हालांकि चर्चा के दौरान कांग्रेस सहित विपक्ष के विभिन्न दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। बाद में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि दलों के सांसद सदन में वापस आ गए और उन्होंने चर्चा में भाग भी लिया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए मेघवाल ने कहा कि यह विधेयक न्यायिक क्षेत्र में सुधार श्रृंखला की कड़ी है। उन्होंने कहा कि जजों की संख्या बढ़ने से मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 1950 में जब सुप्रीम कोर्ट की शुरुआत हुई थी, उस समय मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की कुल संख्या आठ थी, जो अब बढ़कर 38 हो गई है। इससे पहले 2019 में उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी।

पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल रेप केस में दोषी करार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया है। उन्हें आज ही सजा सुनाई जाएगी। तेजपाल को मई 2021 में ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था। जस्टिस डॉ. नीला गोखले और जस्टिस अमित जामदार की बेंच ने तीन दिन की अंतिम सुनवाई के बाद 30 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

दरअसल, तहलका की महिला पत्रकार ने 2013 में तेजपाल पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था। पीड़ित के मुताबिक तेजपाल ने 7-8 नवंबर 2013 को गोवा में थिंकफेस्ट इवेंट के दौरान होटल की लिफ्ट में उनका उत्पीड़न किया था।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

'बिना बीमा पेट्रोल नहीं' नीति होगी कारगर

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दर्शाता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं।

> "कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके।

दरअसल, हाल ही में कोर्ट ने अपने एक फैसले में एक सड़क दुर्घटना में स्थायी से रूप से विकलांग हुए एक बच्चे को मिलने वाले मुआवजे की रकम को लगभग दुगुना कर दिया था। कोर्ट की संवेदनशील पहल नीति-नियंताओं के लिये आंख खोलने वाली साबित होनी चाहिए। इस दिशा में कोर्ट का सरकार को यह सुझाव कि ईंधन की खरीद को इंश्योरेंस कराने से जोड़ा जाए, एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। सही मायने में पेट्रोल पंप असल चेकपॉइंट का काम करते हैं। लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल डलवाने के लिये नियमित रूप से फ्यूल स्टेशनों पर जाते हैं। वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस रिकॉर्ड से जुड़े ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन यानी एएनपीआर कैमरों का प्रस्तावित इस्तेमाल भी प्रशासन में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। यदि इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू किया जाए तो यह सिस्टम बिना बीमे वाले तथा बिना पंजीकृत वाहनों की पहचान करके उन पर अंकुश लगा सकता है। जो मैन्युअल जांच और इससे जुड़े भ्रष्टाचार को भी कम कर सकता है। वैसे इस कोशिश की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं। तकनीकी व्यवधान, पुराने डेटाबेस और हाल ही में रिन्यू की गई इंश्योरेंस पॉलिसी को अपडेट करने में देरी से भी कानून का पालन करने वाले नागरिकों को परेशानी हो सकती है। इसके लिये जहां नागरिकों को जागरूक करने की जरूरत है, वहीं पेट्रोल पंप ऑपरेटरों के संगठनों को साथ लेना भी बहुत जरूरी है। इस योजना को लागू करने से पहले पायलट प्रोजेक्ट की अच्छी तरह से जांच करने की भी जरूरत होगी। ताकि कानून का पालन करने वाले नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। लोगों को बताना होगा कि वाहन का बीमा कराना चालक के भी हित में है। वहीं यह नागरिकों का सामाजिक दायित्व भी है क्योंकि इसका मकसद लोगों की जान बचाना है। साथ ही दुर्घटना के शिकार लोगों को समय रहते न्याय दिलाना भी है। देशभर में स्वयंसेवी संगठनों व स्थानीय निकायों की मदद से चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान इस पुनीत कार्य में मददगार हो सकते हैं।

सशक्त बचपन, समृद्ध छत्तीसगढ़

बच्चों के पोषण, संरक्षण और सर्वांगीण विकास का नया अध्याय

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
उप, संचालक

किसी भी राज्य की वास्तविक प्रगति उसके बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से मापी जाती है। छत्तीसगढ़ ने इसी सोच को आधार बनाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी नीतियों और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के सक्रिय नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों के पोषण, संरक्षण और भविष्य निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। आईसीडीएस, मिशन वात्सल्य, पोषण अभियान और बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन ने राज्य को बाल विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है।

आंगनबाड़ी केंद्र बन रहे बाल विकास के आधुनिक केंद्र

प्रदेश में 11 हजार 490 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम और आकर्षक बनाने का कार्य तेजी से जारी है। इन केंद्रों में बिल्डिंग एज़ लर्निंग एड पेंटिंग, पोषण वाटिका, खेल एवं शिक्षण आधारित गतिविधियों जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे बच्चे सीखने के साथ आनंदमय वातावरण में विकसित हो सकें।

मनरेगा अभिसरण के माध्यम से 2 हजार 337 नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। वहीं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 191 नए आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा चुके हैं। नियद नेल्ला नार 2.0 के तहत 10 जिलों में 12 हजार 964 आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों तक सेवाएं पहुंचा रहे हैं।

मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या 51 हजार 45 से बढ़कर 52 हजार 258 तथा सहायिकाओं की संख्या 44 हजार 826 से बढ़कर 51 हजार 548 हो गई है, जिससे सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार आया है।

कुपोषण पर प्रभावी प्रहार

छत्तीसगढ़ राज्य में बच्चों में कुपोषण कम करने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों के अनुसार 0-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में स्टंटिंग में 7.82 प्रतिशत की कमी, वेट में 4.36 प्रतिशत की कमी, अंडरवेट में 2.76 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दिसंबर 2023 में जहां बौनापन की दर 30.27 प्रतिशत थी, वह जून 2026 तक घटकर 22.45 प्रतिशत रह गई। यह उपलब्धि पोषण प्रबंधन, नियमित मॉनिटरिंग, सामुदायिक सहभागिता और आंगनबाड़ी आधारित सेवाओं के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

पोषण अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान छत्तीसगढ़ ने देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ राज्य प्रति आंगनबाड़ी गतिविधियों में प्रथम स्थान पर रहा। अप्रैल 2025 के पोषण पखवाड़ा में भी छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रदेश में सितंबर-अक्टूबर 2025 के पोषण माह के दौरान 71 हजार 887 गतिविधियां और अप्रैल 2026 के पोषण पखवाड़ा में 34 लाख 93 हजार 474 गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए रेडी टू ईट इकाइयों की स्थापना की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल शुरू हो चुकी है।

मिशन वात्सल्य से बच्चों को सुरक्षा और संबल

अनाथ, परित्यक्त और विशेष संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य प्रभावी सुरक्षा कवच बनकर उभरा है। राज्य में बाल देखरेख संस्थाओं की संख्या बढ़कर 109 हो गई है। मुख्यमंत्री बाल उदय योजना के माध्यम से सैकड़ों बच्चों को शिक्षा, देखभाल और पुनर्वास का लाभ मिला है। चाइल्ड हेल्पलाइन में प्राप्त 1 लाख 65 हजार 979 कॉलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हजारों मामलों का निराकरण किया गया।

बाल संरक्षण सेवाओं के विस्तार का प्रभाव दत्तक ग्रहण और स्पॉन्सरशिप योजनाओं में भी स्पष्ट दिखाई देता है। दत्तक ग्रहण से लाभान्वित बच्चे 42 से बढ़कर 234 और स्पॉन्सरशिप से लाभान्वित बच्चे 767 से बढ़कर 2 हजार 37 हो गए हैं। यह वृद्धि बच्चों को पारिवारिक वातावरण और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की ओर मजबूत कदम

राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान ने सामाजिक जागरूकता और प्रशासनिक सक्रियता दोनों को नई दिशा दी है। बाल विवाह प्रतिरोध अधिकारियों की संख्या बढ़कर 1 हजार 382 हो गई है। इसके परिणामस्वरूप रोके गए बाल विवाहों की संख्या 109 से बढ़कर 888 तक पहुंच गई है। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बेटियों के शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का संकेत है।

भविष्य की मजबूत नींव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में संचालित ये प्रयास छत्तीसगढ़ के लाखों बच्चों को स्वस्थ, सुरक्षा, शिक्षित और सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

आधुनिक आंगनबाड़ी व्यवस्था, पोषण सुधार, बाल संरक्षण सेवाओं का विस्तार और बाल विवाह उन्मूलन जैसे बहुआयामी प्रयासों ने छत्तीसगढ़ को बाल विकास के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी और आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है।

सशक्त बचपन ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है और राज्य सरकार उसी नींव को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है।

नवजात का पहला सुरक्षा कवच- स्तनपान और इसका सामाजिक महत्व

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिशु के स्वास्थ्य के लिए माँ के दूध के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और शुरुआती छह महीने तक केवल माँ का दूध ही देना बच्चे के लिए सबसे जरूरी है। स्तनपान के दौरान त्वचा से त्वचा का संपर्क मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है, जिससे आराम, गर्माहट और सुरक्षा की भावना मिलती है जो स्वस्थ भावनात्मक विकास में सहायक होती है।

स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाती है

हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माताओं और समाज को शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, शिशु के जन्म के बाद पहला घंटा और शुरुआती छह महीने उसका पूरा जीवन संवारने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुछ श्वसन संबंधी संक्रमण जैसी आम बचपन की बीमारियों का खतरा कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इष्टतम स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाकर विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष लाखों शिशु मृत्यु को रोकने की क्षमता रखता है।

अमृत तुल्य है पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलस्ट्रम)

जन्म के पहले कुछ घंटों में, माँ का दूध सिर्फ़ भोजन नहीं होता, बल्कि यह नवजात शिशु की प्रतिरक्षा की पहली खुराक होती है, जो सीधे माँ के शरीर से बच्चे तक पहुँचती है। जन्म के बाद का पहला घंटा, जिसे अक्सर गोल्डन आवर कहा जाता है, स्तनपान शुरू करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान बच्चे स्वाभाविक रूप से सतर्क रहते हैं और सहज रूप से स्तन की तलाश करते हैं। त्वचा से त्वचा का शुरुआती संपर्क न केवल सफल स्तनपान की दर को बढ़ाता है, बल्कि बच्चे के तापमान, हृदय गति और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद (एक घंटे के भीतर) मां का पहला गाढ़ा पीला दूध, जिसे कोलस्ट्रम कहा जाता है, बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका होता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीबॉडीज, प्रोटीन और विटामिन होते हैं, जो नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करते हैं और उसे विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से बचाते हैं।

शुरुआती 6 महीने केवल और केवल मां का दूध

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की स्पष्ट सलाह है कि जन्म से लेकर 6 महीने की उम्र तक बच्चे को केवल मां का दूध ही देना चाहिए। इस अवधि के दौरान बच्चे को पानी, ऊपर का दूध या शहद जैसी चीजें देने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मां के दूध में बच्चे की प्यास और भूख बुझाने के लिए सही अनुपात में पानी और सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। 6 महीने पूरे होने के बाद, स्तनपान जारी रखते हुए बच्चे को धीरे-धीरे ऊपरी पौष्टिक आहार देना शुरू किया जा सकता है, जिसे 2 साल या उससे अधिक समय तक जारी रखा जा सकता है।

स्तनपान के बहुआयामी लाभ

शिशु के लिए स्वास्थ्य वरदान है, स्तनपान कराने से बच्चों में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुपोषण का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि स्तनपान करने वाले बच्चों का बौद्धिक विकास और मानसिक स्वास्थ्य अन्य बच्चों की तुलना में बेहतर होता है। यह आगे चलकर बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और अस्थामा जैसी क्रोनिक बीमारियों की संभावना को घटाता है।

मां के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

स्तनपान कराने से माताओं में स्तन कैंसर और अंडाशय के कैंसर का जोखिम कम होता है। यह प्रसव के बाद वजन घटाने और गर्भाशय को पुनः सामान्य आकार में लाने में मदद करता है। मां और बच्चे के बीच एक भावनात्मक और अटूट संबंध स्थापित होता है।

समाज और परिवार की जिम्मेदारी

स्तनपान केवल एक मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज की साझी जिम्मेदारी है। अक्सर देखा जाता है कि जानकारी के अभाव, सामाजिक रूढ़ियों, या कामकाजी माहौल में सुविधाओं की कमी के कारण महिलाएं समय पर स्तनपान नहीं करा पातीं। प्रसव के बाद मां को सही पोषण, मानसिक शांति और आराम मिलना आवश्यक है ताकि वह बिना किसी तनाव के बच्चे को स्तनपान करा सके। कामकाजी माताओं के लिए कार्यस्थलों में क्रैच सुविधा, मैटरनिटी लीव (प्रसूति अवकाश) और ब्रेस्टफीडिंग ब्रेक जैसी सुविधाएं होना बेहद जरूरी है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर माताओं के लिए सुरक्षित और स्वच्छ फीडिंग रूम की व्यवस्था होनी चाहिए।

स्तनपान एक स्वस्थ और सशक्त पीढ़ी की नींव

विश्व स्तनपान सप्ताह हमें यह याद दिलाता है कि बच्चों को उनका मौलिक अधिकार मां का दूध दिलाने के लिए हम सभी को मिलकर एक अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा। जब एक मां बिना किसी संकोच और बाधा के अपने बच्चे को स्तनपान करा सकेगी, तभी हम एक कुपोषण-मुक्त और स्वस्थ समाज की कल्पना साकार कर सकते हैं।

लोकतंत्र को दिशा देने में युवा आंदोलनों की भूमिका

अश्विनी कुमार

देश में युवाओं की लोकतांत्रिक आंदोलनों में ऐतिहासिक भूमिका रही है जो समय-समय पर परिवर्तनकारी शक्ति के तौर पर सामने आयी। नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए हालिया आंदोलन को लोकतांत्रिक अधिकारों, शिक्षा सुधार और युवा एकता का प्रतीक ही कहा जाएगा। एक सीख भी कि लोकतंत्र में संवाद, संवैधानिक मूल्यों और मानवीय गरिमा को सम्मान देना जरूरी है।

समय-समय पर भारत में अनेक युवा आंदोलनों ने समाज और शासन को नयी दिशा दी है। जब भी युवाओं ने अपने अधिकारों और न्याय के लिए आवाज बुलंद की, उसकी गूंज सत्ता के गलियारों तक पहुंची और उसने परिवर्तन का एक नया इतिहास रचा। 1979-85 का असम आंदोलन, 1990 के मंडल विरोधी प्रदर्शन, इंडिया अगेंस्ट करप्शन अभियान, 2019 का सीएए-एनआरसी विरोधी आंदोलन, निर्भया आंदोलन तथा उससे पहले 1974-75 का जेपी आंदोलन-इन सभी आंदोलनों का नेतृत्व मुख्यत: विद्यार्थियों और युवाओं ने किया। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के परिसर लोकतांत्रिक असहमति के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन गए।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चलाया गया युवा आंदोलन भी ऐसा ही ऐतिहासिक आंदोलन था। इसकी आवाज देश के कोने-कोने तक पहुंची। इस आंदोलन को कुचलने के लिए प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज न केवल लोकतांत्रिक असहमति के प्रति सत्ता की असहनशीलता उजागर करता है।

इतिहास की सीख यह भी कि लोकतंत्र में किसी नागरिक, विशेषकर युवाओं की आवाज को बलपूर्वक दबाने से आंदोलन समाप्त नहीं होते। बल प्रयोग असंतोष को और गहरा करता है तथा परिवर्तन की मांग को और अधिक सशक्त बनाता है। अनुभव पुष्टि करते हैं कि शब्दों या कर्मों के जरिये मानवीय गरिमा पर किया गया आघात आत्मा पर ऐसा घाव छोड़ जाता है, जिसकी प्रतिक्रिया अंतत: सामने आती है। सीजेपी आंदोलन का जन्म इसका स्पष्ट उदाहरण है। जिस साहस, धैर्य और विश्वास के साथ युवाओं ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और सरकार को अपनी मांगें मानने को विवश किया, वह उनकी एकता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। यह पुष्टि करता है कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना जरूरी है। भारत की आत्मा न्याय, समानता और लोकतंत्र में अटूट विश्वास से ही परिभाषित होती है।

इसी कारण रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराने का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त पवित्र मौलिक अधिकार है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अभिन्न अंग भी। इसके साथ ही यह यकीनी बनाना भी उतना ही जरूरी है कि शांतिपूर्ण सभा और विरोध-प्रदर्शन अपनी संवैधानिक और नैतिक सीमाओं का उल्लंघन न करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा, किसी भी वजह से, वाणी या कर्म से की गई हिंसा अंतत: और अधिक हिंसा को ही जन्म देती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी चेतावनी दी थी कि उद्देश्य चाहे कितना ही महान क्यों न हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गये साधनों की नैतिकता व औचित्य से कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

जंतर-मंतर पर हुआ यह आंदोलन जीवंत प्रमाण है कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों के मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी नहीं कर सकती। इसने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र की असल शक्ति जनता की आवाज में निहित होती है और उसकी रक्षा नागरिकों की जागरूकता, एकता तथा दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर होती है। जब चुनी गई सरकारें अपने सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों से भटकने लगती हैं, तब शांतिपूर्ण जनांदोलन लोकतंत्र को सही दिशा देने और अधिक सशक्त बनाने का सबसे उपयुक्त माध्यम बन जाते हैं। जैसा कि एक शायर ने कहा—'उसूलों पे जहां आंच आये टकराना ज़रूरी है, जो ज़िंदा हों तो फिर ज़िंदा नज़र आना ज़रूरी है।'

युवा सदैव उच्च आदर्शों, सिद्धांतों और प्रगतिशील परिवर्तन से प्रेरित रहते हैं। उनके मन में समाज और देश के लिए कुछ बड़ा और सार्थक करने का जज़्बा होता है। यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विद्यार्थियों और युवाओं ने अत्यंत अहम और ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इतिहास यह भी बताता है कि युवाओं और सत्ता में बैठे लोगों के विचारों में अंतर हमेशा से रहा है। किंतु दूरदर्शी और संवेदनशील सरकारों का कर्तव्य है कि वे युवाओं की भावनाओं, आकांक्षाओं और चिंताओं का सम्मान करें तथा उनके प्रति दमनकारी या असहनशील रवैया न अपनाएं, क्योंकि यही युवा देश का भविष्य हैं।

यहां तक कि ब्रिटिश शासन के दौरान भी, जब हजारों स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक सरकार द्वारा जेलों में डाल दिया गया और उन्हें अनेक यातनाएं सहनी पड़ीं, तब भी ऐसे उदाहरण मिलते हैं जब कुछ अंग्रेज शिक्षकों ने प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों की रक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि उनके साथ यथासंभव संयमित और मानवीय व्यवहार किया जाए।

मेरे (लेखक के) पिता लाहौर में छात्र नेता थे। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें 1930, 1936 और फिर 1942 से 1945 के बीच कई बार गिरफ्तार किया गया तथा जेल भी जाना पड़ा। वे अक्सर अपने कॉलेज के प्रिंसिपल ई.डी. लुकास से जुड़ी एक घटना सुनाया करते थे। उस समय वे लाहौर के फोरमन क्रिश्चियन कॉलेज में स्नातक के छात्र थे। वह बताते थे कि जब भी पुलिस उन्हें कॉलेज परिसर से गिरफ्तार करने आती, तो प्रिंसिपल लुकास पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में उनका वजन करवाते। इसके बाद गिरफ्तार करने वाले अधिकारी से आश्वासन लेते थे कि हिरासत में उनके विद्यार्थी के साथ न तो कोई दुर्व्यवहार किया जाएगा और न ही शारीरिक या मानसिक यातना दी जाएगी। यह घटना केवल एक शिक्षक की अपने विद्यार्थियों के प्रति जिम्मेदारी व मानवीय संवेदना को ही नहीं दर्शाती, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि सबसे कठिन और दमनकारी दौर में भी मानवीय गरिमा और संवेदनशीलता के लिए स्थान बना रह सकता है।

भारत के युवा बेटे-बेटियों के विरुद्ध बेहद कड़े बलप्रयोग को उचित ठहराने के लिए अधिकारियों द्वारा बाद में गढ़ा गया बयान न केवल देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का, बल्कि मानवीय गरिमा, न्याय और समानता आधारित उस व्यवस्था के वादे का भी उपहास है, जिस पर हमारे गणराज्य की नींव रखी गई थी।

जंतर-मंतर का यह आंदोलन संदेश देता है कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है, जब सरकार और जनता के बीच संवाद, पारस्परिक सम्मान और विश्वास बना रहे। इस आंदोलन ने फिर सिद्ध कर दिया कि वही सरकारें टिकाऊ सिद्ध होती हैं और आगे बढ़ती हैं, जो समय रहते जनता की आवाज़, आक्रोश व भावनाओं को समझती हैं तथा उनके घावों पर मरहम लगाने का प्रयास करती हैं।

इस विरोध-प्रदर्शन ने इस विचार को और अधिक मजबूत किया कि लोकतंत्र वास्तव में जटिल और विवादास्पद प्रश्नों का न्यायपूर्ण समाधान खोजने की एक सतत प्रक्रिया है। इसने हमें पुन: स्मरण कराया है कि गणराज्य के सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा देश के युवाओं पर बलप्रयोग-जो अमानवीय दृश्य था-राज्य की नैतिक वैधता को कमजोर करता है।

संघर्षरत युवाओं के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाली एक अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सोशल मीडिया पर व्यंग्य के रूप में प्रारंभ हुआ यह आंदोलन आज चेतावनी के रूप में हमारे सामने है। यह स्पष्ट करता है कि प्रौद्योगिकी की शक्ति से सुसज्जित, राजनीतिक रूप से जागरूक करोड़ों युवा, अपनी गहरी भावनाओं व सामूहिक संकल्प के आधार पर विशाल जनसमूहों को संगठित कर देश की राजनीति को निर्णायक रूप से नया स्वरूप देने की क्षमता रखते हैं।

लेखक पूर्व केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दुर्ग जिले में अब तक 501.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 05 अगस्त 2026 तक 501.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 620.7 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 346.1 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 564.0 मिमी, तहसील बोरी में 561.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 517.1 मिमी और तहसील अहिवारा में 396.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 05 अगस्त को दुर्ग में 14.1 मिमी, धमधा में 24.9 मिमी, पाटन में 0.0 मिमी, बोरी में 2.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 28.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 1.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

दावा आपत्ति निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी

दुर्ग। मिशन शक्ति अंतर्गत रिक्त पद की पदपूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। रिक्त पदों हेतु प्राप्त आवेदनों का दावा आपत्ति के निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी की दी गई है। सूची का अवलोकन जिले के वेबसाईट www.durg.gov.in एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। कौशल परीक्षा/साक्षात्कार आयोजन की जानकारी पृथक से दी जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के आदेशानुसार 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को जिले में स्थित समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों, रेस्टॉरेन्ट, बार, होटल-बार, क्लब आदि जैसे एफएल-1(घघ), एफएल.-1(घघ-कम्पोजिट), सीएस-2(घघ), सीएस-2(घघ-कम्पोजिट), सी.एस.-2(ग-अहाता), सीएस-2(ग-कम्पोजिट अहाता), एलएल-1(ख-अहाता), एलएल 1 (ख-कम्पोजिट अहाता), एफएल.2 (क), 3, 3(क), 3(ग), 3(ड) 4, 4(क), 6, 7, 8, एफएल.10 एवं भण्डारण पूर्णत: बंद रहेगा।

अब भी सिरदर्द बना हुआ है सिंगल यूज प्लास्टिक, निगम की छापेमारी में फिर मिली प्रतिबंधित सामग्री, ठोका जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 05 अगस्त 2026 को जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-03 अंतर्गत मॉडल टाउन क्षेत्र के विनोबा नगर के पास विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, अनुज्ञप्ति लाइसेंस का अभाव, डस्टबिन की व्यवस्था नहीं होने तथा साफ-सफाई का अभाव पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान संतोष किराना स्टोर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये, वर्मा किराना स्टोर पर 700 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए तथा 100 रुपये डस्टबिन नहीं रखने पर, मंटू प्रसाद कानू पर 500 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर, मंटू प्रसाद कानू आनंद पान पैलेस पर 100 रुपये साफ-सफाई नहीं रखने पर तथा चाय चस्का प्रतिष्ठान पर अनुज्ञप्ति नहीं पाए जाने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 2600 रुपये की चालानी राशि वसूल की गई। निगम ने प्रतिष्ठान संचालकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन की व्यवस्था रखने तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधि की जनहित में एक और खास पहल

वैशाली नगर विधायक रिकेश ने जेन-जी के लिए खोला पिटारा, 10 अगस्त से शुरू होंगी 16 योजनाएं

हर्षित अग्रवाल

भिलाई। शिक्षा की दुरावस्था को लेकर नई दिल्ली के जंतर मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन के बाद वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अपने स्तर पर युवाओं की समस्या को सुलझाने का प्रयास किया है। विद्यार्थियों और उनके पालकों के कंधे से खर्च का बोझ कम करने के लिए विधायक ने नि:शुल्क कोचिंग सुविधा सहित 16 योजनाओं का ऐलान किया है। 10 अगस्त को इन योजनाओं को लांच कर दिया जाएगा।

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने युवाओं और नागरिकों को शिक्षा, रोजगार से जोड़ने तथा डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पहल की है। इन योजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा, रोजगार, डिजिटल सुविधा और व्यक्तिगत विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

इस पहल के तहत युवाओं के लिए नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस, जन्मदिन पर मूवी टिकट, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए नि:शुल्क वाई-फाई तथा 12वीं पास युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए 10 हजार रुपये वेतन वाली नौकरी की व्यवस्था सहित कुल 16 योजनाएं जेनजी के लिए प्रारंभ की जा रही हैं। इन योजनाओं के लिए 10 अगस्त को लोकांगन परिसर में जेनजी फार्म भर सकेंगे।

आपको बता दें कि बीए, बीकाम और बीएससी विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण की भी योजना है। कंप्यूटर सीखने के इच्छुक बच्चों को भी नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

योजनाओं में बच्चों के लिए दीपावली पर विशेष उपहार तथा जन्मदिन पर पांच लीटर पेट्रोल और केक देने की पहल भी शामिल है। कोटा, राजस्थान में कोचिंग करने वाले बच्चों के लिए नि:शुल्क हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया है।

वैशाली नगर विधानसभा के रहवासियों के लिए श्री सेन की योजनाओं में जेनजी के लिए देश के किसी भी धार्मिक स्थल के दर्शन के लिए जाने वाले पात्र लोगों को एक तरफ का ट्रेन किराया नि:शुल्क उपलब्ध कराने की योजना भी शामिल है। इन योजनाओं का लाभ वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के पात्र लद्दठ युवाओं को मिलेगा।

जेन-जी के लिए योजनाएं एक नजर में

1. नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस
2. विद्यार्थियों को फ्री वाई-फाई
3. जन्मदिन पर मूवी टिकट + केक
4. 12वीं पास के लिए नौकरी
5. स्नातक स्तर पर फ्री कोचिंग
6. दीपावली पर विशेष उपहार
7. जन्मदिन पर 5 लिटर पेट्रोल
8. कोटा में नि:शुल्क होस्टल

30 से 60 की आयु वालों को भी प्रशिक्षण

इसके आलावा डिजिटल युग में नागरिकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने विधायक रिकेश सेन के जन्मदिवस के अवसर पर नि:शुल्क कंप्यूटर साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रारंभ किया जा रहा है। कार्यक्रम में 30 से 60 वर्ष आयु वर्ग के शिक्षित महिला एवं पुरुष शामिल हो सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि वैशाली नगर विधायक अपनी अनोखी योजनाओं के लिए जाने जाते हैं। इनमें सभी वर्गों के लिए स्वास्थ्य सहायता योजनाएं शामिल हैं जिसमें एम्बुलेंस और एक रुपए में चश्मा तथा जांचें शामिल हैं।

सर्विस लेन पर पार्किंग करने वालों पर निगम सख्त, उठा ले गई गाड़ियां

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सडक किनारे अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। जोन 3 राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने पावर हाउस सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की।

पावर हाउस सर्विस रोड पर सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित होने तथा दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। नागरिकों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस प्रशासन के सहयोग से थाना छावनी पहुंचाया गया। निगम प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों, सर्विस रोड एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर अपने वाहन खड़े न करें।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थल का ही उपयोग करें और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न करें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह बटालियन ग्राउंड में, स्कूली बच्चे देंगे प्रस्तुति, उत्कृष्ट कर्मियों का होगा सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस का आयोजन भिलाई स्थित प्रथम बटालियन ग्राउण्ड में प्रात: 9:00 बजे से किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 8:00 बजे तक ध्वजारोहण किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है।

जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण पश्चात् परेड द्वारा सलामी दी जाएगी। परेड में जिला आरक्षक बल, विशेष बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, होमगार्ड, एनसीसी एवं स्काउट गाइड शामिल होंगे। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए समिति बनाने तथा जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयारी प्रारंभ करने कहा गया है।

कार्यक्रम स्थल में बेरिकेटिंग एवं बैठक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, साफ सफाई, पेयजल, शौचालय सहित शामियाना, कुर्सियां, लाउडस्पीकर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम भिलाई को, विशिष्ट अतिथियों के लिए आवश्यक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, कार्यक्रम स्थल में चबूतरा निर्माण, झण्डे आदि की व्यवस्था के लिए लोक निर्माण व रक्षित निरीक्षक को जिम्मेदारी दी गई है। मंच सजावट के लिए उद्यानिकी विभाग को, विद्युत कनेक्शन, जनरेटर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम एवं विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग को, ध्वजारोहण पश्चात् रंग बिरंगी गुब्बारे आसमान में छोड़ने के लिए उद्योग विभाग को दायित्व दिए गए हैं।

मुख्य अतिथि का परेड निरीक्षण के लिए वाहन व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को, मुख्यमंत्री का संदेश वाचन के लिए पुस्तिका की व्यवस्था के लिए जनसंपर्क विभाग को, कार्यक्रम स्थल में उद्घोषक के लिए शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। प्रमुख चौक-चौराहों पर देशभक्ति गीत-संगीत के प्रसारण के लिए नगर निगम दुर्ग-भिलाई को, कार्यक्रम का विडियो एवं फोटोग्राफी के लिए जनसंपर्क विभाग एवं खनिज विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। प्रथम बटालियन ग्राउण्ड में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण की व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक दुर्ग और लोक निर्माण विभाग को दी गई है। आमंत्रण पत्रों का मुद्रण एवं प्रोटोकॉल अनुसार वितरण के लिए सी.ई.ओ. जिला पंचायत, वरिष्ठ लिपिक शाखा, प्रोटोकॉल शाखा को जिम्मेदारी दी गई है।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन से संबंधित राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

शासकीय आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन 18 अगस्त को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 18 अगस्त 2026 को शासकीय आईटीआई दुर्ग परिसर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक अपने संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती कर सकते हैं। ऐसे सभी निजी नियोजक जो इस मेले के जरिए भर्तियां करना चाहते हैं, वे 14 अगस्त 2026 से पूर्व अपने संस्थान के रिक्त पदों की जानकारी छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित करना सुनिश्चित करेंगे। इन्हें मेले में शामिल किया जाएगा।

दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेड़ेसरा तहसील अहिवारा जिला दुर्ग के निवासी मृतक स्व. हर्ष यादव की 04 जून 2025 को ग्राम मेड़ेसरा अपने घर में जहरीले सर्प के काटने से मृत्यु हुई थी।

रामपुर (चोरहा) कुम्हारी तहसील भिलाई-03 जिला दुर्ग के निवासी मृतक स्व. राकेश बंजारे की 27 जुलाई 2025 को सुरजीडीह चोरहा नाला में बाढ़ आने पर फंसे मजदूरों को निकालते समय पानी के तेज बहाव में बहकर डूब जाने से मृत्यु हुई थी। ग्राम गोता तहसील धमधा जिला दुर्ग की निवासी मृतिका स्व. भाग बाई की 17 दिसंबर 2025 को आग से जलने के कारण इलाज के दौरान 18 दिसंबर 2025 को मृत्यु हुई थी।

इसी तरह वार्ड क्रमांक-03 पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग के निवासी मृतक स्व. नागेश्वर भाले की 16 मार्च 2025 को ग्राम ठकुराइनटोला के पास खारून नदी में नहाते समय पानी में डूबने से मृत्यु हुई थी।

ग्राम बोरई तहसील व जिला दुर्ग के निवासी मृतक स्व. भागवत यादव उम्र 44 वर्ष की 10 जून 2025 को ग्राम आमगांव तहसील छुरिया जिला राजनांदगांव में आकाशीय बिजली गिरने से एवं सुभाष नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के निवासी मृतक स्व. नंद किशोर धुर्वे की 13 अप्रैल 2025 को सेलूद बड़ा नहर पुल के पास नहर में डूबने से मृत्यु हुई थी।

कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप मृतक के परिजनों को स्व. हर्ष यादव के पिता श्री मनोज यादव, स्व. राकेश बंजारे की पत्नी श्रीमती मालती बाई, स्व. भाग बाई के पुत्र नरेन्द्र कुमार, स्व. नागेश्वर भाले की माता श्रीमती ईश्वरी भाले, स्व. भागवत यादव की पत्नी श्रीमती रेखाबाई यादव एवं स्व. नंद किशोर धुर्वे के पिता उदयराम धुर्वे को क्रमश: 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप से आसान हुआ जीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहर के वार्ड क्रमांक 9, गिरधारी नगर निवासी रितेश कुमार सोनी के घर में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली उपयोग को लेकर पारदर्शिता आई है और मासिक बिल का डर लगभग समाप्त हो गया है। श्री सोनी बताते हैं कि पहले उन्हें महीने भर बिजली उपयोग का अंदाजा नहीं होता था। बिल आने के बाद ही पता चलता था कि कितनी बिजली खर्च हुई है। कभी-कभी अपेक्षा से अधिक बिल आने पर परेशानी होती थी।

रितेश बताते हैं कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब वे 'मोर बिजली' मोबाइल एप के माध्यम से अपने घर की बिजली खपत की जानकारी प्रतिदिन और प्रति घंटे देख सकते हैं। एप में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि किस समय बिजली की खपत अधिक हुई और किस समय कम। इससे वे अनावश्यक बिजली उपयोग को तुरंत पहचानकर नियंत्रित कर लेते हैं। रितेश कुमार सोनी कहते हैं, स्मार्ट मीटर लगने के बाद सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि अब बिजली बिल को लेकर मन में डर नहीं रहता। मोबाइल पर हर दिन की खपत दिख जाती है, इसलिए हमें पहले से पता रहता है कि बिल कितना आ सकता है। हम अपने उपयोग को नियंत्रित भी कर पाते हैं। स्मार्ट मीटर की एक और विशेषता उन्हें बेहद उपयोगी लगती है। एप में पिछले वर्ष की समान तिथि की बिजली खपत की जानकारी भी उपलब्ध रहती है। इससे वे आसानी से तुलना कर पाते हैं कि इस वर्ष बिजली उपयोग बढ़ा है या घटा। तुलना के आधार पर वे घर में ऊर्जा बचत के उपाय अपनाते हैं, जैसे अनावश्यक लाइट बंद रखना, ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग करना और बिजली का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करना। परिवार के अन्य सदस्य भी अब बिजली बचत के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं। बच्चों को भी यह समझ आने लगा है कि छोटी-छोटी सावधानियां बिजली बिल कम करने में मदद करती हैं। घर में ऊर्जा संरक्षण की एक नई आदत विकसित हुई है। श्री सोनी मानते हैं कि स्मार्ट मीटर केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि उपभोक्ता को जागरूक बनाने वाला माध्यम है। वास्तविक समय में उपलब्ध जानकारी से उपभोक्ता अपने खर्च पर नियंत्रण रख सकता है और अनावश्यक बिजली खपत को कम कर सकता है। इससे आर्थिक बचत के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। दुर्ग शहर में स्मार्ट मीटर का यह अनुभव बताता है कि आधुनिक तकनीक आम नागरिकों के जीवन को सरल बना सकती है।

सीएसआईटी में विधिक जागरूकता शिविर, विद्यार्थियों को मिली जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में आज छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी, दुर्ग में एक विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में श्वेता पटेल एवं रवि कश्यप व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) एवं महिमा शर्मा व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

न्यायाधीशगण ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति सजग एवं उत्तरदायी नागरिक बनने का संदेश देते हुए शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम, उसके विधिक परिणाम एवं दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा अनुशासित एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग का प्रेरणादायी संदेश भी विद्यार्थियों के समक्ष साझा किया गया, जिसमें जीवन में प्राप्त अवसरों का सदुपयोग करने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर उत्कृष्ट भविष्य निर्माण करने की प्रेरणा दी गई।

कार्यक्रम में मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान की उपयोगिता, महिलाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकार, उनकी सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित प्रमुख कानूनों तथा यातायात नियमों के पालन के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

हर बेटी को मिले सुरक्षित और स्वच्छ माहौल : टंक राम वर्मा

रायपुर। राज्य सरकार ने ग्रामीण अंचल की बेटियों को स्वच्छता, सम्मान और सुविधायुक्त शैक्षणिक माहौल प्रदान करने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील कदम उठाया है। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप तिल्दा विकासखंड के 50 ग्राम पंचायतों के शासकीय विद्यालयों में बालिका शौचालयों के निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि की वित्तीय एवं प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। जिला खनिज संस्थान न्यास मद से स्वीकृत यह सौगात क्षेत्र में बालिका शिक्षा को नए आयाम देने के साथ ही स्वच्छता अभियान को धरातल पर और अधिक सशक्त बनाएगी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के स्वाभिमान, बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव अक्सर बेटियों की पढ़ाई में रुकावट बनता था। तिल्दा ब्लॉक के 50 स्कूलों में डी एम एफमद से स्वीकृत 7 लाख रुपये प्रति यूनिट की लागत से बनने वाले ये आधुनिक बालिका शौचालय केवल एक निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि यह हमारी बेटियों के सम्मान और उनकी उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

महासमुंद में बुनियादी सुविधाओं से लैस नए आधार सेवा केन्द्र का शुभारंभ

महासमुंद। जिले के निवासियों को शासकीय दस्तावेजों और पहचान पत्र से जुड़ी सुविधाओं को आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिला मुख्यालय महासमुंद में ग्राउंड फ्लोर, वार्ड नं 29, बरोडा चैक के पास नए आधार सेवा केंद्र का औपचारिक उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा फीता काटकर नए आधार सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, यूआईडीएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं बीएलएस इंटरनेशनल के रीजनल मैनेजर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन के पश्चात अतिथियों ने केंद्र का निरीक्षण किया और उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं की सराहना की। उद्घाटन अवसर पर अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से दूर-दराज और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा।

सेवा सेतु-हर नागरिक तक सरल, सहज और समयबद्ध सेवाएँ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनकेंद्रित प्रशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, त्वरित एवं सहज रूप से पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में शुरू की गई ''सेवा सेतु'' पहल शासन और आम नागरिक के बीच विश्वास का सशक्त माध्यम बन रही है। कोरबा जिले के ग्राम ढंगुरडीह, तहसील भैंसमा निवासी शिव कुमार राठिया को अपने स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे दोनों पुत्रों के शैक्षणिक कार्यों के लिए निवास एवं आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने की स्थिति में बच्चों के शैक्षणिक कार्य प्रभावित होने की आशंका थी। ऐसे में उन्होंने बिना किसी विलंब के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सेवा सेतु केंद्र का रुख किया। सेवा सेतु केंद्र में कर्मचारियों ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक प्रक्रिया एवं दस्तावेजों के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया।

सेवा सेतु पोर्टल में उत्कृष्ट प्रदर्शनः बलरामपुर के लकड़ा बने प्रदेश के टॉप ट्रांजैक्शन वीएलई

श्रीकंचनपथ न्यूज

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया सम्मानित, 13,912 आवेदनों के सफल निराकरण से बनाया रिकॉर्ड

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से शासकीय सेवाओं को आमजन तक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचाने की दिशा में लगातार उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सेवा सेतु केंद्र में कार्यरत वीएलई **(Village Level Entrepreneur)** निर्दोष लकड़ा ने वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के टॉप ट्रांजैक्शन वीएलई बनने का गौरव प्राप्त किया है।

रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने निर्दोष लकड़ा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं

पहुंचाने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना है। वर्ष 2025-26 के दौरान निर्दोष लकड़ा ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 13,912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को गौरवान्वित किया है, बल्कि प्रदेश में डिजिटल सुशासन की दिशा में एक नई मिसाल भी स्थापित की है।

जिले में सेवा सेतु पोर्टल के प्रभावी संचालन के कारण अब ग्रामीण नागरिकों को आय, जाति, निवास, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र सहित अनेक शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर ही सहज, पारदर्शी और निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध हो रही हैं। निर्दोष लकड़ा ने तकनीक का प्रभावी उपयोग, कार्य के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना के साथ हजारों ग्रामीण परिवारों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की है। उनका सेवा केंद्र ग्रामीणों के लिए केवल एक सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि भरोसेमंद समाधान का माध्यम बन चुका है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद निर्दोष लकड़ा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का जीवन आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि जब लोगों का समय और संसाधन बचते हैं तथा उन्हें बिना किसी परेशानी के सेवाएं मिलती हैं, तभी डिजिटल भारत और सुशासन का उद्देश्य साकार होता है।

बलरामपुर जिले में सेवा सेतु पोर्टल का प्रभावी क्रियान्वयन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन एवं डिजिटल सेवा विस्तार की मंशा को धरातल पर साकार करने का एक सफल उदाहरण बनकर उभरा है।

कर्तव्यनिष्ठ होकर जनसेवा एवं सुशासन के लिए जमीनी स्तर पर करें बेहतर कार्यः मुख्यमंत्री

प्रशासनिक सेवा जनविश्वास अर्जित करने का माध्यम, संवेदनशीलता और पारदर्शिता को बनाएं कार्यशैली का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने नवचयनित अधिकारियों को उनके भावी प्रशासनिक दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन होना उपलब्धि अवश्य है, लेकिन वास्तविक सफलता तब है जब अधिकारी अपने पद का उपयोग जनसेवा, सुशासन और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए करें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी शासन और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके निर्णय, व्यवहार और कार्यशैली से आम नागरिक का शासन के प्रति विश्वास मजबूत होता है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी को संवेदनशीलता, पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करते समय जनता की अपेक्षाओं और स्थानीय परिस्थितियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। अधिकारी यदि लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समयबद्ध समाधान की दिशा में कार्य करें, तो प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास स्वत: बढ़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा, वन संपदा, उर्वर भूमि और मजबूत ऊर्जा क्षमता उपलब्ध है। इन संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए राज्य को विकसित बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में लंबे समय तक नक्सलवाद बड़ी बाधा रहा, लेकिन सुरक्षा बलों के साहस, केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित रणनीति तथा जनविश्वास के कारण अब नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। जिन क्षेत्रों में कभी विकास पहुंचना कठिन था, वहां अब सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि उन्हें विशेष रूप से दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। ऐसे क्षेत्रों में केवल प्रशासनिक दायित्व निभाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भाव भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों को चाहिए कि वे शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने सुशासन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना की गई है। साथ ही ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर शासन की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, दक्ष और समयबद्ध बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजस्व से जुड़े विषय आम नागरिकों के जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। भूमि, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और अन्य राजस्व मामलों में लोगों को समय पर राहत मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई बार प्रशासनिक अधिकारी की छोटी-सी पहल भी किसी परिवार की बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। इसलिए अधिकारी संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएं और प्रत्येक प्रकरण को मानवीय दृष्टि से देखें।

उन्होंने अधिकारियों को व्यवहार में विनम्रता और संयम बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा कि लोगों की शिकायतों को सुनना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। कई बार केवल धैर्यपूर्वक शिकायत सुन लेने से ही आधी समस्या समाप्त हो जाती है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 97 गांवों में होगा विद्युत विस्तार

11.62 करोड़ रुपये की लागत से दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचेगी बिजली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधानसभा की विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत भटगांव विधानसभा क्षेत्र के 97 गांवों में विद्युत विस्तार कार्य स्वीकृत किया गया है। लगभग 11.62 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत इस परियोजना के माध्यम से सूरजपुर जिला के दूरस्थ गांवों और मोहल्लों तक विद्युत सुविधा पहुंचाई जाएगी, जिससे हजारों ग्रामीण परिवार लाभान्वित होंगे।

राज्य शासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में विकासखंड भैयाथान के 36 गांवों के लगभग 109 मोहल्लों/पारों, विकासखंड ओड़गी के 32 गांवों के लगभग 68 मोहल्लों/पारों तथा विकासखंड सूरजपुर के 29 गांवों के लगभग 53 मोहल्लों/पारों में विद्युत विस्तार किया जाएगा।

यह परियोजना विशेष रूप से उन ग्रामीण और जनजातीय बस्तियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां अब तक पर्याप्त विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य, पेयजल व्यवस्था, कृषि आधारित गतिविधियों तथा ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास की रोशनी को अंतिम छोर तक पहुंचाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति भटगांव विधानसभा के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति देगी।

उन्होंने कहा कि हर घर और हर आंगन तक बिजली पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं साकार होंगी।

एक कॉल से पूरी हुई उम्मीद : समय पर मिली पीएम आवास की तीसरी किस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुकमा जिले के जनपद पंचायत कोंटा की ग्राम पंचायत ढोंढरा के निवासी सोड़ी नंदा का पक्का घर बनाने का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से पूरा हुआ। उन्होंने 22 मार्च 2026 को अपना आवास निर्माण पूरा कर लिया था, लेकिन तीसरी किस्त की राशि मिलने में देरी होने से वे चिंतित थे।

सोड़ी नंदा ने 24 जून 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर कॉल कर अपनी समस्या बताई और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की तीसरी किस्त जारी करने का अनुरोध किया। शिकायत मिलते ही संबंधित अधिकारियों ने मामले की तुरंत जांच की। जांच में पता चला कि राज्य शासन से राशि प्राप्त होने के बाद 6 जून 2026 को तीसरी किस्त के लिए एफटीओ तैयार कर दिया गया था। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद 25 जून 2026 को 25,000 रुपये की तीसरी किस्त सीधे उनके बैंक खाते में जमा कर दी गई। राशि मिलने के बाद सोड़ी नंदा ने खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पंचायत एवं

ग्रामीण विकास विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन पर शिकायत करने के बाद उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ और उन्हें समय पर योजना का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि अब उनका विश्वास शासन की योजनाओं और व्यवस्था पर और भी मजबूत हो गया है। यह कहानी बताती है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 केवल शिकायत दर्ज करने का माध्यम नहीं है, बल्कि आम लोगों और शासन के बीच भरोसे का मजबूत सेतु बन रही है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन से पात्र परिवारों को समयबद्ध वित्तीय सहायता मिल रही है और उनके पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बछेरा में आधुनिक आंगनबाड़ी भवन बना आकर्षण का केंद्र

08 लाख रुपये की लागत से निर्मित भवन में बच्चों को मिला सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधायुक्त वातावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुंगेली जिले के ग्राम पंचायत बछेरा में मनरेगा के अंतर्गत निर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-04 का नया भवन ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर बाल विकास और मातृ-शिशु सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया है। लगभग 08 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह भवन अब गांव के नौनिहालों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, आकर्षक और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध करा रहा है।

नए भवन के निर्माण से पहले आंगनबाड़ी केन्द्र सीमित सुविधाओं वाले भवन में संचालित होता था, जिसके कारण बच्चों के बैठने, खेलने, पोषण आहार

वितरण तथा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं था। अब आधुनिक भवन मिलने से इन समस्याओं का समाधान हुआ है और आंगनबाड़ी की गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा रहा है।

भवन को विशेष रूप से बच्चों के अनुकूल बनाया गया है। दीवारों पर फल-सब्जियां, अक्षर ज्ञान, रंग-बिरंगे चित्र और बाल शिक्षा से संबंधित आकर्षक पेंटिंग बनाई गई हैं। सुंदर एवं मनमोहक वातावरण से बच्चों में आंगनबाड़ी आने के प्रति उत्साह बढ़ा है। खेल-आधारित गतिविधियों और प्रारंभिक शिक्षा के लिए पर्याप्त स्थान मिलने से बच्चों के सीखने की रुचि को भी बढ़ावा मिल रहा है। नया आंगनबाड़ी भवन अब केवल पोषण आहार वितरण का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, प्रारंभिक शिक्षा, खेल गतिविधियों, स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण तथा मातृ-शिशु परामर्श का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। गर्भवती एवं धात्री माताओं को भी यहां नियमित रूप से स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है। मनरेगा के माध्यम से निर्मित इस भवन ने ग्रामीण विकास की दोहरी तस्वीर प्रस्तुत की है। निर्माण कार्य से स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिला, वहीं गांव को बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक स्थायी और उपयोगी सामुदायिक परिसंपत्ति प्राप्त हुई। यह निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में मनरेगा की उपयोगिता को दर्शाता है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले आंगनबाड़ी में बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन नए भवन के बनने से बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिला है।

दीवारों पर बने रंगीन शैक्षणिक चित्र बच्चों को आकर्षित करते हैं और उनमें सीखने की रुचि बढ़ी है। इससे अभिभावकों का आंगनबाड़ी केन्द्र के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ है।

स्वागत से शुरू होती शिक्षा, खेल-गीतों से संवर रहा नौनिहालों का भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके भविष्य की दिशा तय करते हैं। इसी सोच को केंद्र में रखकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण केंद्र नहीं, बल्कि प्रारंभिक शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य और बाल विकास के समग्र केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में नवाचार आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने के लिए आनंदमय और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

बलरामपुर जिले के स्कूल पारा भनौरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र ने इस दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह केंद्र आज नन्हे बच्चों के लिए सीखने, खेलने, संवाद करने और आत्मविश्वास

विकसित करने की पहली पाठशाला बनकर उभरा है।

केंद्र की सबसे विशेष पहल स्वागत चार्ट है। केंद्र में आने वाला प्रत्येक बच्चा अपनी पसंद के अनुसार चार्ट पर बने चित्रों में से किसी एक का चयन करता है। इसमें गले मिलना, ताली देना, हाथ मिलाना, मुट्ठी मिलाना, कोहनी मिलाना और नमस्ते जैसे विकल्प शामिल हैं। बच्चा जिस तरीके का चयन करता है, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उसी प्रकार उसका आत्मीय स्वागत करती हैं।

इस छोटी लेकिन प्रभावशाली पहल से बच्चों का संकोच कम हो रहा है, वे स्वयं को सम्मानित और स्वीकार्य महसूस कर रहे हैं तथा केंद्र में प्रवेश करते ही मुस्कुराते हुए गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। इससे सामाजिक व्यवहार, संवाद कौशल, भावनात्मक अभिव्यक्ति और सकारात्मक सोच का भी विकास हो रहा है।

गीत, खेल और गतिविधियों से सीख रहे बच्चे

केंद्र में प्रतिदिन प्रार्थना, स्वागत गीत, समूह गतिविधियां, शैक्षणिक खेल, कहानी-कथन, चित्र पहचान, रंग पहचान, अक्षर और अंक ज्ञान जैसी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। बच्चों को पारंपरिक रटने की बजाय खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति से सीखने का अवसर दिया जा रहा है। गीत, कविता, लय और रचनात्मक खेलों के माध्यम से बच्चे सहजता से नई बातें सीख रहे हैं। इससे उनका मानसिक, भाषाई, सामाजिक और बौद्धिक विकास तेजी से हो रहा है।

पौष्टिक आहार से मजबूत हो रहा स्वास्थ्य

राज्य शासन द्वारा बच्चों के पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र में निर्धारित मेन्यू के अनुसार पौष्टिक नाश्ता और गर्म पका हुआ मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इससे बच्चों को आवश्यक ऊर्जा और पोषक तत्व मिल रहे हैं, जो उनके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही बच्चों की उपस्थिति, वजन, ऊंचाई, स्वास्थ्य स्थिति और विकास की नियमित निगरानी की जाती है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बच्चों के लिए परिवार जैसा स्नेहपूर्ण, सुरक्षित और बाल-अनुकूल वातावरण तैयार करती हैं। यही कारण है कि बच्चे बिना किसी झिझक के केंद्र में समय बिताते हैं और सीखने की प्रक्रिया का आनंद लेते हैं।

आंगनबाड़ी में अध्ययनरत बालिका सौम्या की माता श्रीमती सोनम सोनी बताती हैं कि यह केंद्र बच्चों के लिए केवल पाठशाला नहीं, बल्कि दूसरा घर बन गया है।

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात.....

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफअपनी आगामी पंजाबी फिल्म जुदा की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फएक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है।

जैस्मिन हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है।

मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले। उन्होंने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है।

अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है। अभिनेत्री ने कहा, एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।

मिर्जापुरः द मूवी का पहला गाना दो नंबरी रिलीज, हरियाणवी सिंगर धांडा न्योलीवाला की आवाज का चला जादू

मिर्जापुरः द मूवी की थिएटर रिलीज से पहले एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने फिल्म के साउंडट्रैक एल्बम का पहला गाना दो नंबरी रिलीज कर दिया है। इस गाने को हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े नाम धांडा न्योलीवाला ने लिखा, कंपोज किया और अपनी आवाज दी है। दमदार एनर्जी से भरपूर यह ट्रैक उनके बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू का भी आगाज है। साथ ही यह एक्सेल एंटरटेनमेंट के नए लॉन्च हुए म्यूजिक लेबल एक्सेल म्यूजिक का पहला रिलीज भी है।

धांडा न्योलीवाला अपने चार्टबस्टर गानों, अलग अंदाज और दमदार स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। उनके करोड़ों फैंस हैं और उनके कई गाने वायरल हो चुके हैं। अब वह अपने सिग्नेचर स्टाइल के साथ भारत की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइजियों में से एक मिर्जापुर का हिस्सा बने हैं।

खास बात यह है कि इस ट्रैक के साथ धांडा

बॉलीवुड में अपना डेब्यू भी कर लिया है। दमदार हरियाणवी बीट्स और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर यह गाना मिर्जापुर की बेबाक और दमदार दुनिया को पूरी तरह दर्शाने का वादा करता है। फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज से पहले यह ट्रैक उसके बढ़ते क्रेज में एक और नया रंग जोडने के लिए तैयार है।

मिर्जापुरः द मूवी दर्शकों को फिर से सीजन 1 की दुनिया में लेकर जाएगी। फिल्म में पहली बार बड़े पर्दे पर गुड्डू पंडित (अली फजल), मुन्ना भैया (दिव्येंदु) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) जैसे फ्रेंचाइजी के सबसे लोकप्रिय किरदारों की वापसी होगी। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मिर्जापुरः द मूवी को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट पेश कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

वहीं कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी इसके सह-निर्माता हैं। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

'आवारापन 2' का ट्रेलर रिलीज फिर मोहब्बत के लिए जंग लड़ते दिखे इमरान हाशमी

फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। इमरान हाशमी 19 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' का जादू सीक्वल में भी चला रहे हैं। उनकी अदाकारी, एक्शन सीन्स फैंस का दिल जीत लेंगे। जानिए, कैसा है फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर?

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' में इमरान हाशमी ने अपनी अदाकारी से फैंस को हैरान किया था। फिल्म की कहानी, गाने आज तक दर्शकों को याद हैं। फिल्म की अलग ही फैन फॉलोइंग है। अब मेकर्स 'आवारापन 2' लेकर आए हैं, आज इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है। यहां जानिए, कैसा है फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर?

'आवारापन 2' के ट्रेलर में मिली कहानी की झलक

फिल्म 'आवारापन 2' का ट्रेलर मोहब्बत के लिए कुछ भी कर गुजरने की कहानी को दिखा रहा है। इमरान हाशमी और दिशा पाटनी के बीच की केमिस्ट्री भी कमाल की है। वहीं ट्रेलर में इमरान हाशमी के एक्शन सीन्स भी हैरान करते हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म 'आवारापन 2'

फिल्म 'आवारापन 2' में इमरान हाशमी, दिशा पाटनी, शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को नितिन कक्कड़ ने निर्देशित किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है।

राम कपूर ने किसी को असहज महसूस नहीं कराया किसिंग विवाद पर बोलीं आकांक्षा चौधरी

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे रिएलिटी शो लॉक अप 2 से निकलने के बाद भी आकांक्षा चौधरी चर्चा में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने शो में महिला कंटेस्टेंट्स के माथे और गालों पर किस करने की राम कपूर की आदत को लेकर मचे विवाद के बीच उनका समर्थन किया है।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा। आकांक्षा ने कहा कि वह समझती हैं कि इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन राम कपूर की नीयत कभी भी गलत नहीं थी। उन्होंने कहा, जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है।

मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया।

घर के अंदर हुई एक बातचीत को याद करते हुए उन्होंने बताया कि श्रेया कालरा ने एक बार शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं।

उन्होंने कहा, जब मैं सीक्रेट रूम में थी, तो मुझे लगता है कि श्रेया ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम सर मुझे मेरे पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। लेकिन तब शिल्पा जी ने कहा, नहीं, नहीं, वह ऐसा नहीं करते हैं।

आकांक्षा ने आगे कहा कि श्रेया ने खुद साफ किया था कि उनका मतलब गलत तरीके से नहीं था। उन्होंने कहा, श्रेया ने कहा था, जाहिर है, मैं उस तरह से नहीं कह रही हूं। मेरा मतलब वैसा नहीं है। मैं बस यह कह रही हूं कि वह बार-बार ऐसा करते हैं। तो वह इस बारे में बहुत सहज थीं।

वहीं, राम कपूर की पत्नी गौतमी कपूर जब शो में आई थीं, तो उन्होंने सभी से राम कपूर के व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, अगर इनसे कोई गलती हो गई हो या इन्होंने आपको असहज किया हो तो मैं इनकी तरफ से माफी मांगती हूं। हालांकि, गौतमी ने बचाव करते हुए यह भी कहा कि उनके पति का स्वभाव ऐसा ही है, वे टेडी बेयर की तरह हैं और उनका इरादा गलत नहीं था।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि राम कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर आलोचना का शिकार हुए थे। शो के कुछ क्लिप वायरल हुए थे जिनमें वे महिला कंटेस्टेंट्स का माथे और गालों पर किस करते हुए दिखे थे। कई दर्शकों का आरोप था कि इन हरकतों से कुछ कंटेस्टेंट्स असहज महसूस कर रही थीं।

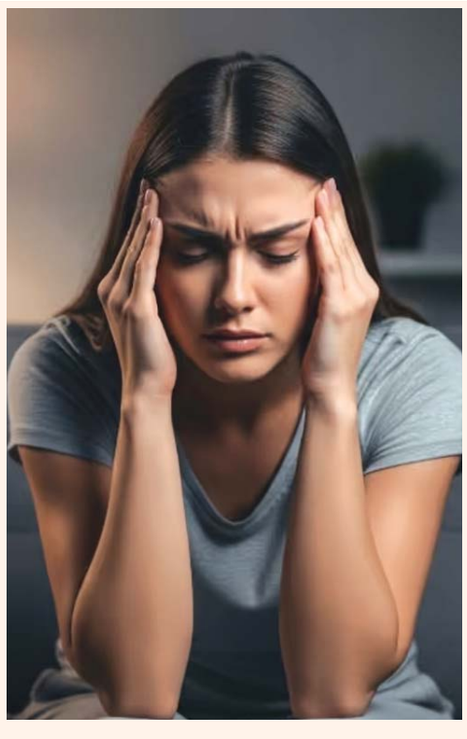

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। यह सिरदर्द का एक प्रकार है, जिसमें सिर के एक हिस्से में तेज दर्द होता है। माइग्रेन के दौरान उल्टी, चक्कर आना और रोशनी से चिढ़ना जैसी कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आमतौर पर माइग्रेन में सिर के दाएं या बाएं हिस्से में तेज दर्द होता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो माइग्रेन के रोगियों को नहीं करनी चाहिए।

नींद का ख्याल न रखना

नींद का ख्याल न रखना माइग्रेन के रोगियों के लिए एक बड़ी गलती हो सकती है। पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आपका शरीर और मन दोनों आराम करते हैं।

माइग्रेन से जूझ रहे हैं तो न करें ये 5 गलतियां, हो सकती है गंभीर समस्या...

अगर आप समय पर सोते और जागते हैं तो आपका सिरदर्द कम हो सकता है।

इसके अलावा दिन में थोड़ी देर की झपकी भी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इस तरह आप ताजगी महसूस करेंगे और आपका माइग्रेन भी काबू में रहेगा।

खाने-पीने में बदलाव न करना

माइग्रेन के रोगियों को अपनी खाने-पीने की आदतों पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आप तैलीय, मसालेदार और जंक फूड का सेवन करते रहेंगे तो आपकी समस्या बढ़ सकती है।

इसके बजाय हरी सब्जियां, फल और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा।

इसके अलावा पानी अधिक पिएं ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें।

पानी की कमी होना

शरीर में पानी की कमी भी माइग्रेन का कारण बन सकती है। अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते तो इससे आपके सिरदर्द की समस्या बढ़ सकती है।

रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें।

इसके अलावा नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देंगे और सिरदर्द को कम करेंगे।

चिंता और तनाव लेना

चिंता और तनाव लेना भी माइग्रेन के रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है।

अगर आप हमेशा तनाव में रहते हैं तो इसका असर आपके सिरदर्द पर पड़ेगा। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने जैसी तकनीकों का अभ्यास करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा।

इसके अलावा सकारात्मक सोच अपनाएं और खुश रहने की कोशिश करें ताकि आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सके और आप स्वस्थ रह सकें।

डॉक्टर की सलाह नजरअंदाज करना

अगर आपको बार-बार सिरदर्द होता रहता है तो डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है।

खुद से दवा लेना या घरेलू नुस्खे अपनाना सही नहीं होता। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और उचित इलाज देंगे। इसलिए समय-समय पर जांच करवाते रहें और उनकी सलाह मानें।

इन गलतियों से बचकर आप अपने माइग्रेन को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम, ऑनलाइन प्रतिवेदन प्रणाली होगी अधिक प्रभावी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंचायतों में ऑनलाइन प्रतिवेदन प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा कार्यालय द्वारा एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) मॉड्यूल का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राज्य संपरीक्षा कार्यालय, रायपुर के सात सदस्यीय दल ने प्रतिभागियों को एटीआर मॉड्यूल के संचालन, ऑनलाइन प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया तथा उससे जुड़े तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत स्तर पर प्रतिवेदन प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी एवं जवाबदेही बनाना है।

जिला पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण में जनपद पंचायत महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली के पंचायत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में राज्य संपरीक्षा कार्यालय के सहायक संचालक कदम सिंह सिदार सहित अधिकारियों यू.के. कोसरिया, सौरभ तिग्गा, सुमित साहू तथा ज्येष्ठ संपरीक्षक फैजान अहमद ने जिला पंचायत कार्यालय के अशोक चंद्राकर एवं योगेश साहू के सहयोग से प्रतिभागियों को मॉड्यूल के प्रभावी संचालन का प्रशिक्षण दिया।

इस दौरान अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिवेदन दर्ज करने की प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेखों के संधारण, डेटा की शुद्धता बनाए रखने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर जानकारी अपलोड करने के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्रतिभागियों को मॉड्यूल का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया तथा उनकी तकनीकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि एटीआर मॉड्यूल के नियमित उपयोग से पंचायत स्तर पर कार्यों की प्रगति का समयबद्ध ऑनलाइन प्रतिवेदन उपलब्ध होगा।

इससे योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनिटरिंग, समीक्षा एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी तथा शासन की डिजिटल एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियों से एटीआर मॉड्यूल का नियमित उपयोग करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया।

खास-खबर

जशपुर से 204 श्रद्धालु प्रभु श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के श्रद्धालुओं को अयोध्या स्थित प्रभु श्री रामलला के निःशुल्क दर्शन के लिए लगातार भेजा जा रहा है। योजना के 14 वें चरण में जशपुर जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों, नगर पंचायतों एवं सियानगुड़ी से चयनित 204 श्रद्धालुओं को अयोध्या के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर शुभ यात्रा के लिए रवाना किया। जशपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्रीमती पिंकी गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। योजना के तहत अब तक जशपुर जिले के 2,856 श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन का लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु 15 अगस्त तक ऑनलाईन आवेदन

राजनांदगांव । प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए इच्छुक एवं पात्र बच्चे ऑनलाईन नामांकन व आवेदन 15 अगस्त 2026 तक वेबसाईट **https//awards.gov.in** पर प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के वेबसाईट **www.wcd.nic.in** से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बच्चों के बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवाओं, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला, संस्कृति एवं नवाचार क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा वाले बालकों को प्रतिवर्ष प्रोत्साहित करने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है। एक पदक, एक लाख रूपए, 10 हजार रूपए मूल्य के पुस्तक वाउचर एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। पुरस्कार हेतु बच्चे की आयु 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम होना चाहिए।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को मंजूरी दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस मिशन के तहत - 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को ,द्ध का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी।

यह मिशन भारत सरकार के **IndiaAI Mission** के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेडको रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी।

मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (स्स्ध) को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा।

मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक, पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी और परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनेगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। संशोधनों के तहत ग्रामीण आंतरिक गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा सड़क निर्माण से पूर्व मनरेगा से मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त की गई है। योजना की पात्रता का दायरा बढ़ाकर ऐसे सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में सम्मिलित नहीं हैं। आवश्यकता अनुसार नाबार्ड ऋण, पर्यावरण एवं अधोसंरचना विकास मद, खनिज न्यास मद सहित अन्य स्त्रोतों से भी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। कार्यों का अनुमोदन प्रशासनिक विभाग करेगा तथा क्रियान्वयन की समीक्षा एवं अंतर्विभागीय समन्वय के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी। मंत्रिपरिषद् ने वित्त विभाग के उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, जिसके तहत **Asian Development Bank (ADB)** से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के क्रियान्वयन हेतु **Anjor LIGHT (Anjor Linked Implementation & Guidance for Holistic Tracking)''** तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का पूर्णतः अनुदान प्राप्त किया जाएगा।

वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन को मिलेगी गति

कर्मचारी हित, वित्तीय सुदृढ़ीकरण और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन को अधिक सक्षम, आधुनिक और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निगम के संचालक मंडल की 56वीं एवं सामान्य सभा की 23वीं बैठक आज निगम मुख्यालय, सेक्टर-24, अटल नगर नवा रायपुर में अध्यक्ष चंदूलाल साहू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कर्मचारी कल्याण, वित्तीय प्रबंधन और अधोसंरचना विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

बैठक में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) द्वारा पात्र पाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि होने के साथ निगम की कार्यक्षमता और प्रशासनिक दक्षता को भी नई मजबूती मिलेगी। संचालक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित बजट तथा वर्ष 2026-27 के अनुमानित बजट को स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी नवीन शेड्यूल ऑफ रेट्स (एसओआर) को निगम में यथावत लागू करने का निर्णय लिया गया, जिससे निर्माण एवं विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित होगी।

बैठक में कार्पोरेशन की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति को देखते हुए वर्ष 2024-25 के लाभांश के रूप में अंशधारियों-छत्तीसगढ़ शासन एवं केन्द्रीय भण्डारण निगम, नई दिल्ली को 40 लाख 38 हजार 400 रुपये की राशि प्रत्येक को प्रदान करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। यह निर्णय कार्पोरेशन के बेहतर वित्तीय प्रबंधन और लाभप्रद कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

बैठक में खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले, नागरिक आपूर्ति निगम की प्रबंध संचालक इफ्फत आरा, छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक आशीष कुमार टिकरिहा सहित राज्य शासन एवं केन्द्रीय भण्डारण निगम के संचालकगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के लिए जावंगा में विद्यार्थियों ने जाना अंतरिक्ष विज्ञान का संसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के लिए दंतेवाड़ा जिले के एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में जिला स्तरीय अंतरिक्ष आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, अंतरिक्ष तकनीक और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाना था।

कार्यक्रम का आयोजन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, नागपुर के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीकॉस्ट), छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, स्कूल शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन दंतेवाड़ा के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में इसरो के वैज्ञानिक डॉ. आनंद अरूर ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, उपग्रहों, रॉकेट प्रक्षेपण मिशनों और अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियों पर विद्यार्थियों को सरल और प्रेरक जानकारी दी। सीकॉस्ट के वैज्ञानिक डॉ. एम.के. बैग ने वैज्ञानिक सोच, नवाचार और तकनीक आधारित विकास के महत्व को समझाया।जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर और जिला मिशन समन्वयक हरीश प्रताप गौतम ने विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सैटेलाइट एवं रॉकेट मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर प्रदर्शनी, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम गुज्जो रवीना,द्वितीय अमित कुंजाम और तृतीय स्थान इंद्रजीत चंदेल ने हासिल किया। इसी तरह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम नैतिक सिंह,द्वितीय दीक्षा नेताम और तृतीय स्थान अमन प्रसाद भूआर्य ने हासिल किया।

प्राकृतिक बीजों से सजी राखियां बनीं आत्मनिर्भरता की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अब पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़ते हुए नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई राह बना रही हैं। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया के ग्राम रोहराकला की आदर्श महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इस वर्ष पहली बार चावल, मूंग, धनिया, काली मिर्च सहित विभिन्न प्राकृतिक बीजों का उपयोग कर आकर्षक एवं पर्यावरण-अनुकूल राखियां तैयार की हैं।

पहले समूह की महिलाओं के पास आय के सीमित साधन थे। बिहान योजना के माध्यम से समूह को रिवॉल्विंग फंड, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड एवं बैंक लिंकेज की सुविधा मिली। विभागीय मार्गदर्शन और क्षमता विकास प्रशिक्षण से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने उपलब्ध स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए राखी निर्माण की नई गतिविधि शुरू की। रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की महिलाओं ने अलग-अलग डिजाइन और रंगों में हस्तनिर्मित राखियां तैयार की हैं। प्राकृतिक बीजों से तैयार इन राखियों की खासियत इनका स्थानीय, आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप है। स्थानीय बाजार में भी इन राखियों को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। राखी निर्माण से प्राप्त आय महिलाओं के परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोगी बनेगी। इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं घरेलू जरूरतों में आर्थिक सहायता मिलने के साथ महिलाओं में बचत, निवेश और स्वरोजगार की भावना भी मजबूत होगी। आदर्श महिला स्व-सहायता समूह की यह पहल केवल राखी निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला उद्यमिता, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आई है।

बिहान के सहयोग से रोहराकला की महिलाएं अब अपने हुनर को बाजार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। उनका यह नवाचार गांव की अन्य महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को भी नए आजीविका अवसर तलाशने के लिए प्रेरित कर रहा है।

जहाँ कभी पानी की थी चिंता, आज हर मौसम में जीवन का आधार बना जल स्रोत

विकसित भारत जी-राम-जी योजना से बदली वनांचल गाँवों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को जनभागीदारी और ग्रामीण विकास से जोड़कर लागू की जा रही विकसित भारत जी-राम-जी योजना दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन रही है। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत कालामांजल की सफलता इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि योजनाबद्ध जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता से किसी गाँव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं।

कालामांजल कभी ऐसा गाँव था जहाँ बारिश का अधिकांश पानी बह जाता था और गर्मी आते-आते जल स्त्रोत सूखने लगते थे। पेयजल, मवेशियों के लिए पानी और खेती-किसानी जैसी आवश्यकताओं के लिए ग्रामीणों को लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पानी की कमी यहाँ के लोगों की सबसे बड़ी चिंता बन गई थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण को ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसी सोच के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर कंटूर ट्रेंच और गेबियन चेक डैम का निर्माण कराया गया।

इन संरचनाओं ने वर्षा जल को रोककर जमीन में समाहित करने का प्रभावी कार्य किया। साथ ही मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण हुआ और जंगल से आने वाला कचरा डैम तक पहुँचने से पहले ही रुकने लगा। इससे जल स्त्रोत न केवल संरक्षित हुए, बल्कि अधिक स्वच्छ और सुरक्षित भी बने।

ग्राम के निवासी मनोहर सिंह बताते हैं कि पहले गर्मी के दिनों में पानी की तलाश ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी समस्या होती थी। मवेशियों को पानी पिलाना और खेती करना दोनों ही कठिन हो जाता था। अब वही जल स्त्रोत पूरे वर्ष उपयोग में आ रहा है। ग्रामीण इस जल का उपयोग पेयजल, स्नान, कपड़े धोने, मवेशियों को पानी पिलाने और मत्स्य पालन जैसे कार्यों में कर रहे हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच अर्जुन सिंह के अनुसार, इस योजना ने केवल जल संरक्षण ही नहीं किया, बल्कि 250 से अधिक श्रमिकों को रोजगार भी उपलब्ध कराया। निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों की भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। आज कालामांजल के जल स्त्रोत पहले की तुलना में अधिक समृद्ध हैं और ग्रामीण भविष्य को लेकर आश्वस्त दिखाई देते हैं।

खेती की संभावनाएँ बढ़ी हैं, मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है और मत्स्य पालन जैसी अतिरिक्त आजीविका गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है।

ग्रामीणों ने इस सकारात्मक परिवर्तन के लिए राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका गाँव हर मौसम में पानी के भरोसे के साथ विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है।

तहसील कार्यालय पहुंचीं कलेक्टर लंबित प्रकरणों की समीक्षा

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बुधवार को पोड़ी तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर राजस्व कार्यों की प्रगति एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तहसील कार्यालय पहुंचते ही उन्होंने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और विभिन्न पंजी एवं अभिलेखों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान समय पर पंजी में अभिलेख अद्यतन नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित कर्मचारी को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यों में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी। कलेक्टर ने तहसील कार्यालय के प्रत्येक कक्ष में जाकर कार्यालयीन व्यवस्था, अभिलेख संधारण एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

भालू के हमले से दो ग्रामीणों की मौत, एक घायल

कांकेर। जिले के नरहरपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत मरकाटोला-लारगांव क्षेत्र में भालू के हमले की घटना सामने आई है। हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जंगल से लगे क्षेत्र में एक भालू की मौजूदगी की सूचना पहले ही ग्रामीणों को मिल गई थी। स्कूल से लगे जंगल क्षेत्र में एक मृत भालू के पास मादा भालू मौजूद थी ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना मिलने के बाद भी समय रहते वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते यह घटना हुई। भालू के हमले में दो लोगों की जान चली गई, जबकि एक ग्रामीण घायल हो गया घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। विभाग की ओर से ग्रामीणों को सतर्क रहने और जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की जा रही है। घायल ग्रामीण को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है फिलहाल मादा भालू की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी कर रही है। गांव के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, ग्रामीणों में वन विभाग की कार्रवाई को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है।

9वीं के छात्र का शव फंदे पर मिला, जांच में जुटी पुलिस

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित एकलव्य आदर्श बालक छात्रावास की है। मृतक की पहचान उमेश कंवर के रूप में हुई है, जो कक्षा 9वीं का छात्र था और ग्राम बासिन का निवासी था। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह जब अन्य छात्र बाथरूम पहुंचे, तब उमेश फंदे से लटका मिला। छात्रावास प्रबंधन ने तत्काल उसे सक्ती जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने गहरा आक्रोश जताया। परिजनों का आरोप है कि छात्रावास प्रबंधन की शिकायत वे पहले भी कलेक्टर कार्यालय में कर चुके थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और छात्र की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक पर स्टंट करने के साथ मचाया उत्पात, अपराध दर्ज

कोरबा। कोरबा जिले के उरगा पुलिस ने कई उत्पातियों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के साथ अन्य धाराओं में अपराध दर्ज किया है। दो दिन पहले यह घटना हुई। जिसका पता आसपास के सीसीटीवी फुटेज और कुछ वीडियो से चला। थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि मुख्य मार्ग पर कई युवक नशे की स्थिति में थे। उन्होंने बाइक पर स्टंट करने के साथ काफी देर तक उत्पात मचाया। इस वजह से मुख्य मार्ग पर आवाजाही करने वाला वर्ग परेशान हुआ। किसी ने इसका वीडियो वायरल किया, जो पुलिस के संज्ञान में आया। संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी गाडियां जब्त की गई है। आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

रायपुर स्टेशन में 500 किलो एनालॉग पनीर की खेप जब्त, ओडिशा तक सप्लाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगने के बाद भी इसकी सप्लाई जारी है। अब इसके लिए ट्रेन रूट का इस्तेमाल किया जाने लगा है। बुधवार को रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम ने एनालॉग पनीर के शक में करीब 500 किलो पनीर की खेप पकड़ी।

पनीर अमरकंटक एक्सप्रेस के जरिए भोपाल से रायपुर पहुंचा था। कार्रवाई के दौरान रेलवे और खाद्य सुरक्षा विभाग के बीच जिम्मेदारी को लेकर करीब चार घंटे तक खींचतान चलती रही। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर के सैंपल लेकर उसे सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर में रखवा दिया।

टीम का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बुधवार सुबह रायपुर रेलवे स्टेशन पर 10 बड़े डिब्बे अमरकंटक एक्सप्रेस से उतारे गए। इसमें करीब 500 किलो एनालॉग पनीर रखे होने की जानकारी विभाग को पहले ही मिल चुकी थी। खाद्य सुरक्षा विभाग और रेलवे अधिकारियों की टीम स्टेशन पहुंची और खेप को जब्त किया।

मौके पर अधिकारियों ने पनीर के नमूने लिए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। जांच रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पनीर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप है या नहीं। यदि जांच में किसी तरह की गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित व्यापारी और सप्लाई चैन से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम बना काल : एक को लिव इन पार्टनर ने तो दूसरे को प्रेमी ने मौत के घाट उतारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में बीएड छात्रा की उसके लिव-इन पार्टनर ने मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी युवती को मेकाहारा लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घरवालों ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं खमतराई थाना क्षेत्र के तालाब में मिली युवती की लाश की गुत्थी भी पुलिस ने सुलझा ली है। मृतका की पहचान टिकरापारा निवासी नंदनी जैन के रूप में हुई है।

गर्लफ्रेंड को लिव इन पार्टनर अस्पताल में छोड़कर भागा

मुजगहन पुलिस के अनुसार, कांकेर जिले के ग्राम कोकपुर की रहने वाली भारती नेताम रायपुर के विकास महाविद्यालय में बीएड की पढ़ाई कर रही थी। वह पिछले 6-7 महीने से कोंडागांव के सावंत बघेल के साथ बोरियाकला में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। सावंत डीएलएड का छात्र है।

भारती की बहन ने पुलिस को बताया कि सावंत अक्सर भारती पर शक करता था और उसके साथ मारपीट भी करता था। 4 अगस्त की रात भारती ने फोन कर अपनी बहन को बताया था कि सावंत ने उसके साथ मारपीट की है और वह वापस अपने गांव कोकपुर आना चाहती है।

बहन ने उसकी मदद के लिए किराए और अन्य खर्च के लिए 3 हजार रुपए ऑनलाइन भेजे थे। लेकिन भारती गांव लौट पाती, उससे पहले ही आरोपी ने उसे मौत के घाट उतार दिया।

5 अगस्त को जब परिजन मेकाहारा पहुंचे तो उन्होंने भारती का शव स्ट्रेचर पर पड़ा देखा। परिजनों के मुताबिक, उसके बाई आंख के पास, कनपटी पर चोट और खरोंच के निशान थे। वहीं गर्दन के पीछे और ठोड़ी पर भी चोट के निशान दिखाई दे रहे थे।

परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मेकाहारा में लाश छोड़कर भागे आरोपी सावंत बघेल को हिरासत में लिया गया है। मुजगहन निरीक्षक अमित कौशिक ने इसकी पुष्टि की है।

खमतराई हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझाई

खमतराई थाना क्षेत्र के डब्लूआरएस कॉलोनी स्थित तालाब में मिली युवती की लाश की गुत्थी रायपुर पुलिस ने सुलझा ली है। मृतका की पहचान टिकरापारा निवासी नंदनी जैन के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती की हत्या उसके प्रेमी करण तांडी ने की थी।

पुलिस के मुताबिक, दोनों की तीन साल पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच बेवफाई के शक को लेकर लगातार विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन भी दोनों की मुलाकात हुई, जहां कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने गला दबाकर नंदनी की हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की नीयत से शव को डब्लूआरएस कॉलोनी के तालाब में फेंक दिया और फरार हो गया। हालांकि, शव की पहचान होने के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। दोनों मामलों का खुलासा पुलिस कर सकती है।

सर्वमंगला मंदिर के पास कोयला लोड ट्रेलर पलटा, चालक घायल

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा शहर के सर्वमंगला चौक के पास बुधवार देर रात एक कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गार्डन में पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं, जबकि मौके से गुजर रहे राहगीर बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, ट्रेलर (सीजी 12 एस 5536) कुसमुंडा क्षेत्र से कोयला लेकर कनवेरी मार्ग की ओर जा रहा था। रात करीब 12 बजे सर्वमंगला चौक से आगे मोड़ पर चालक को झपकी आ गई, जिससे ट्रेलर का संतुलन बिगड़ गया। बेकाबू ट्रेलर सड़क किनारे लगी सुरक्षा रेलिंग तोड़ते हुए सर्वमंगला मंदिर के पास बने गार्डन में जा घुसा और पलट गया। हादसे के बाद ट्रेलर में लदा पूरा कोयला गार्डन में बिखर गया।

केबिन में फंसा चालक, लोगों ने बचाया

हादसे में ट्रेलर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें फंस गया। आसपास के लोगों और अन्य वाहन चालकों ने मिलकर चालक को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के लिए उसे अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में चालक को नींद आना हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। सर्वमंगला चौक शहर का व्यस्त चौराहा है, जहां रात में भी भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। हादसे के कारण कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने खदान क्षेत्रों से गुजरने वाले भारी वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण और व्यस्त मोड़ों पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

नगरदा वॉटरफॉल में दर्दनाक हादसा, चट्टान से फिसलकर कोरबा के युवक की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। सक्ती जिले के प्रसिद्ध नगरदा वॉटरफॉल में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के चलते चट्टानों पर जमी काई के कारण पैर फिसलने से कोरबा जिले के एक युवक की ऊंचाई से गिरकर मौत हो गई। हादसे में युवक को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं और उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक की पहचान कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के देवरमाल निवासी रोशन उर्फ राहुल पटेल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह दोस्तों के साथ नगरदा वॉटरफॉल घूमने और स्नान करने पहुंचा था।

जानकारी के मुताबिक, लगातार बारिश के कारण वॉटरफॉल की चट्टानों पर काई जम गई थी, जिससे वहां काफी फिसलन थी। स्नान के दौरान अचानक रोशन का संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से नीचे जा गिरा। हादसे के बाद दोस्तों ने उसे गंभीर हालत में चांपा के बीडीएम अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बीडीएम अस्पताल के डॉक्टर डॉ. मनीष श्रीवास्तव के अनुसार, पोस्टमार्टम में युवक के सिर में गंभीर चोट के साथ फेफड़ों और लीवर को भी भारी नुकसान होने की पुष्टि हुई है। चोटें बेहद गंभीर थीं और डॉक्टरों के मुताबिक युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी।

नगरदा वॉटरफॉल की घटना ने जिले के पिकनिक स्पॉट की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एक सप्ताह के भीतर सक्ती जिले के पिकनिक स्पॉट पर यह दूसरी मौत है। इससे पहले दमाऊधारा पिकनिक स्पॉट पर दुर्ग जिले के छावनी निवासी प्रतीक कंवर की गहरे पानी में डूबने से मौत हुई थी। लगातार बारिश के दौरान वॉटरफॉल, नदी और पहाड़ी क्षेत्रों में चट्टानों पर काई जमने से फिसलन काफी बढ़ जाती है। ऐसे स्थानों पर अचानक जलस्तर बढ़ने और पैर फिसलने का खतरा भी बना रहता है। पुलिस और जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में वॉटरफॉल और नदी के खतरनाक हिस्सों में जाने से बचें, सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और अपनी तथा साथियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

बुजुर्ग महिला को डराकर 2 लाख के गहने उतरवाए, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर में बुजुर्ग महिला को बातों में फंसाकर ठगों ने करीब 2 लाख रुपए के सोने के जेवर ठग लिए। आरोपियों ने पहले सुरक्षा का डर दिखाया, फिर जेवर कपड़े में बांधकर सुरक्षित रखने का झांसा दिया। इसके बाद महिला को कागज की पोटली थमाकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। टीआई किशोर कुमार केंवट ने बताया कि सिंधी कॉलोनी निवासी विद्या मोटवानी (68) की कंवरराम मार्केट में कपड़ों की दुकान है। 3 अगस्त की शाम वे रोज की तरह सब्जी खरीदने बाजार गई थीं। नेहरू चौक के पास ऑटो में सवार दो युवकों ने उनसे बस स्टैंड का रास्ता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की। कुछ देर बाद एक अन्य युवक भी वहां पहुंच गया और तीनों ने मिलकर महिला को बातों में उलझा लिया।

भरोसा जीतकर ऑटो में बैठाया

आरोपियों ने महिला से कहा कि शहर में चोरी और लूट की घटनाएं बढ़ गई हैं, इसलिए खुले में सोने के जेवर पहनना सुरक्षित नहीं है। बातों-बातों में उन्होंने महिला को ऑटो में बैठा लिया और पानी भी पिलाया। इसके बाद जेवर कपड़े में बांधकर सुरक्षित रखने की सलाह दी। महिला उनके झांसे में आ गईं और अपने हाथ का सोने का कंगन, अंगूठी उतारकर आरोपियों को दे दी। आरोपियों ने कपड़े में बांधने का नाटक किया और कुछ ही देर बाद कागज की पोटली वापस थमा दी। इसके बाद थोड़ी दूर जाकर महिला को ऑटो से उतार दिया और फरार हो गए।

परिजनों के मुताबिक, महिला के एक हाथ में पहले से चोट होने के कारण सूजन थी। इसी वजह से उस हाथ में पहना दूसरा सोने का कंगन नहीं निकल पाया। यदि वह भी उतर जाता तो आरोपी और अधिक कीमती जेवर लेकर फरार हो जाते।

पुलिस को आशंका है कि इस वारदात में ऑटो चालक की भी भूमिका हो सकती है। जिस तरह आरोपियों ने महिला को ऑटो में बैठाकर पूरी घटना को अंजाम दिया, उसे देखते हुए इस एंगल से भी जांच की जा रही है।

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज पुलिस को मिले हैं। फुटेज में दो युवक पहले महिला से बातचीत करते और फिर उन्हें अपने झांसे में लेते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान में जुटी है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इससे पहले सरकंडा थाना क्षेत्र के मोपका चौक के पास भी एक बुजुर्ग महिला ऑटो में उठाईगिरी का शिकार हुई थीं। गृहिणी सुलोचना बाई घाडगे तोरवा चौक से मोपका चौक जाने के लिए ऑटो में सवार हुई थीं। ऑटो में पहले से 4-5 महिलाएं बैठी थीं। मोपका चौक पर उतरने के बाद उन्हें पता चला कि उनके गले से सोने का मंगलसूत्र गायब है। आशंका जताई गई कि ऑटो में साथ बैठी महिलाओं ने भीड़ का फायदा उठाकर मंगलसूत्र चोरी कर लिया।

रायगढ़ में निगरानी बदमाश शिवा सारथी गैंग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में निगरानी बदमाश की गैंग ने दो अलग-अलग घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 63,700 रुपए नकद सहित करीब 2 लाख रुपए की चोरी की संपत्ति बरामद की गई है।

सीसीटीवी फुटेज से पति-पत्नी की पहचान

दोनों मामलों में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक महिला और एक पुरुष संदिग्ध रूप से दिखाई दिए। मुखबिरों की मदद से उनकी पहचान टीवी टावर क्षेत्र निवासी शिवा सारथी (20) और उसकी पत्नी पिंकी सारथी के रूप में हुई।

सोने के टॉप्स बेचने पहुंचा आरोपी

इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक चोरी के सोने के टॉप्स बेचने के लिए शहर की ज्वेलरी दुकानों के चक्कर लगा रहा है। घेराबंदी कर पुलिस ने शिवा सारथी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने साथी कुश केरकेट्टा (28), निवासी छोटे अतरमुड़ा, के साथ दिन में सूर्या विहार से रेंजर साइकिल चोरी की थी।

रात में सूने मकान का ताला तोड़कर की चोरी

शिवा ने यह भी बताया कि उसी रात उसने पत्नी पिंकी सारथी और साथी प्रभात राय उर्फ सोनू बंगाली (24), निवासी पंजरी प्लांट, के साथ दीनदयालपुरम कॉलोनी के सूने मकान का ताला लोहे की रॉड से तोड़कर अलमारी से नकदी और जेवर चोरी किए। चोरी की रकम आपस में बांट ली गई, जबकि बाकी पैसे शराब और अन्य खर्चों में उड़ा दिए गए।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शिवा सारथी के पास से 25 हजार रुपए नकद और चोरी की रेंजर साइकिल, पिंकी सारथी के पास से 8,700 रुपए नकद, सोने के टॉप्स और पीतल का लोटा, प्रभात राय उर्फ सोनू बंगाली के पास से 30 हजार रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल बाइक, जबकि कुश केरकेट्टा के पास से साइकिल चोरी में इस्तेमाल बाइक बरामद की। आरोपियों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 3(5) भी जोड़ी गई है। सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

3 साल के मासूम की सांप काटने से मौत

कोरबा। कटघोरा की पुरानी बस्ती के खालेपारा इलाके में रात के वक्त घर के अंदर सो रहे 3 साल के मासूम बच्चे की जहरीले करैत सांप के काटने से मौत हो गई। कटघोरा मुख्य बाजार में कारोबार करने वाले विजय राज का 3 साल का बेटा वाशु राज रात में अपने घर के पूजा रूम में दादी और बहन के साथ बिस्तर पर सोया हुआ था। इसी दौरान रात के सन्नाटे में एक जहरीला करैत सांप कमरे के अंदर घुस आया और सीधे बिस्तर पर लेटे हुए बच्चे को अपना शिकार बना लिया। सांप के काटते ही बच्चा दर्द से चीखने लगा। बच्चे को लेकर तुरंत कटघोरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

राहगीरों से विवाद कर रहे दो बदमाश गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के चिखली क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों राहगीरों से बेवजह विवाद कर क्षेत्र का माहौल खराब कर रहे थे। पुलिस ने उनके खिलाफ निवारक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में जिले में असामाजिक तत्वों और नशाखोरी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई इसी अभियान के तहत की गई। बुधवार को चिखली चौकी क्षेत्र में पुलिस ने राकेश सिंह नागवंशी (47), निवासी शिवनगर ढाबा रोड, चिखली और आर्यन शर्मा (24), निवासी शंकरपुर को सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करते हुए पकड़ा। दोनों राहगीरों से बेवजह विवाद कर रहे थे, जिससे किसी भी समय अप्रिय स्थिति बनने की आशंका थी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत अलग-अलग केस दर्ज किए। इसके बाद दोनों को न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मार्केट में लोगों को धमका रहा था आरोपी, गिरफ्तार

भिलाई। रिसाली के आजाद मार्केट स्थित ब्लू हेवन बार के बाहर धारदार हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले युवक को नेवई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया। बुधवार को सूचना मिली कि आजाद मार्केट स्थित ब्लू हेवन बार के पास एक युवक हथियार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही नेवई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान रूआबांधा बस्ती निवासी संतोष यादव उर्फबाटू (22 वर्ष) के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से हथियार बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

खास खबर

राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग में बचेली का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। धमतरी में आयोजित 12वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में कोच नंदकिशोर साहू के नेतृत्व में बचेली के पांच खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दंतेवाड़ा जिले का गौरव बढ़ाया। श्रुति साहू ने 84 किलोग्राम जूनियर वर्ग में स्वर्ण, शिप्रा बिस्वास ने 84 किलोग्राम सीनियर में दो स्वर्ण, दीपाली सरकार ने 84 किलोग्राम सीनियर वर्ग में कांस्य, शोभा बघेल ने 64 किलोग्राम सीनियर वर्ग में कांस्य तथा चितरंजन दास ने 74 किलोग्राम जूनियर वर्ग में कांस्य हासिल किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत दिशा-निर्देश जारी

कोरबा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा आगामी 21 सितंबर से 24 सितंबर 2026 तक पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क की यात्रा प्रस्तावित है। योजना के तहत 338 व्यक्तियों को यात्रा पर भेजे जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा हेतु 75 प्रतिशत हितग्राही ग्रामीण क्षेत्र से तथा 25 प्रतिशत हितग्राही नगरीय क्षेत्र से चयनित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों के आवेदन नाम मय सूची के 25 अगस्त तक जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

रेडियोग्राफर पद पर नियुक्ति हेतु अनंतिम मेरिट सूची जारी

कोरबा। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत रेडियोग्राफर के पदों हेतु दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं अनंतिम मेरिट सूची जारी कर दावा-आपत्ति 25 जून तक आमंत्रित किये गये थे। दावा-आपत्ति में कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं होने पर अंतिम मेरिट सूची, चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा जिले के शासकीय वेबसाइट में सर्व संबंधितों के अवलोकनार्थ अपलोड कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में निराश्रित मवेशियों के संरक्षण के लिए बड़ी पहल, 1460 नए गोठानों की होगी स्थापना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में घुमंतू और बेसहारा पशुओं को सुरक्षित आश्रय देने, गौ-संरक्षण को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 'गौधाम योजना' को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में कुल 1,460 गौधामों की स्थापना करने का लक्ष्य रखा गया है।

घुमन्तू एवं निराश्रित पशुधन के व्यवस्थापन हेतु शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग रायपुर ने गौधाम योजना के तहत 1460 गौधामों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। प्रत्येक विकासखंड में उत्कृष्ट 10 गौठानों का चयन कर गौधाम विकसित किए जाएंगे। 408 आवेदनों में से 151 आवेदनों को प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। 88 गौधामों का पंजीयन पूर्ण अब तक किए जा चुके हैं। वर्तमान में संचालित 42 गौधामों में लगभग 5 हजार 109 निराश्रित पशुओं को संरक्षण दिया जा रहा है।

गौधाम स्थापना के लिए प्रक्रिया को काफी सख्त और पारदर्शी बनाया गया है। जिला स्तरीय समिति और कलेक्टर की अनुशंसा के बाद पंचायत

से अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया जाता है। भौतिक सत्यापन के बाद आवेदन छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग को भेजे जाते हैं।

आयोग की क्रियान्वयन समिति आवेदनों की विस्तृत समीक्षा करती है। समीक्षा के पश्चात आवेदनों को अंतिम प्रशासकीय स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जाता है, जिसके बाद अनुबंध और पंजीयन की कार्यवाही पूरी की जाती है। ग्राम पंचायतों को संचालन का अधिकार मिलने और शहरी गौठानों को योजना में जोड़ने से भविष्य में गौधामों की संख्या में और वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों के पास के गौठानों को प्राथमिकता

संयुक्त संचालक से मिली जानकारी के अनुसार, प्रथम चरण में ऐसे गौठानों का चयन किया गया है जो राष्ट्रीय राजमार्गों के समीप स्थित हैं और जहां सभी आवश्यक अधोसंरचनाएं पूर्ण हैं। गौधामों का संचालन स्वयंसेवी संस्थाओं, पंजीकृत गौशालाओं, एनजीओ, एफ़पीओ और ट्रस्ट के माध्यम से किया जाएगा। हाल ही में पशुधन विकास विभाग ने नियमों में संशोधन कर ग्राम पंचायतों को गौधाम संचालन में प्राथमिकता दी है।

ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया ने समावेशी ग्रामीण विकास के लिए छत्तीसगढ़ के साथ की साझेदारी

छोटे किसान और स्वयं-सहायता समूहों की महिलाएँ ही ग्रामीण बदलाव की असली प्रेरक : राहुल भगत

- ग्रीन इकोनॉमिक ट्रांज़िशन पर रिपोर्ट जारी
- समावेशी विकास के लिए सरकार, समुदाय और नेता आए एक मंच पर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छठे 'इंडिया रूरल कोलोक्वी' (भारत ग्रामीण संगोष्ठी) के छत्तीसगढ़ चैप्टर की शुरुआत इस जोरदार अपील के साथ हुई कि छोटे किसानों और महिलाओं के नेतृत्व वाले संस्थानों को ग्रामीण बदलाव की नींव के तौर पर पहचाना जाए। टीआरआई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच यह सहयोग पूरे राज्य में समावेशी और सामुदायिक नेतृत्व में होने वाले ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

रायपुर में गोष्ठी का उद्घाटन करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री तथा 'गुड गवर्नेंस एंड कन्वर्जेंस' विभाग के सचिव, राहुल भगत ने कहा, छोटे किसान और स्वयं-सहायता समूहों की महिलाएँ ग्रामीण बदलाव की असली प्रेरक हैं। पहला कदम

उठाने का उनका साहस असंख्य लोगों को बदलाव लाने वाला बनने के लिए प्रेरित करता है।

इस चर्चा में नया रायपुर के ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, सामुदायिक नेताओं, नागरिक समाज संगठनों और विकास कार्यों से जुड़े लोगों को एक साथ लाने का काम किया गया। इससे पता चला कि कैसे मजबूत जमीनी नेतृत्व, जवाबदेह संस्थान और सामुदायिक ज्ञान जहाँ कभी बदलाव मुश्किल लगता था, वहाँ प्यार और सच्ची कोशिशों से बदलाव आया। हर इंसान प्यार चाहता है और उन्हें बस ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उन्हें सच में समझे।

छत्तीसगढ़ सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ ग्रामीण विकास जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से काम करने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, हर सरकारी योजना का असली क्रियान्वयन गांव के स्तर पर होता है। अगर गाँव के संस्थान मजबूत नहीं होंगे, तो विकास की गति सीमित ही रहेगी।

वर्ष 2016 में स्थापित ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) ग्रामीण समुदायों के साथ मिलकर स्थानीय नेतृत्व पर आधारित समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। वर्ष 2026 में अपने दूसरे दशक में प्रवेश करते हुए, यह लैंगिक समानता पर केंद्रित अपने दृष्टिकोण को और मजबूत कर रहा है तथा समुदाय-नेतृत्व वाले मॉडलों का विस्तार कर ग्रामीण भारत में समान और सतत विकास को आगे बढ़ा रहा है।

इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, टीआरआई ने 'विकसित छत्तीसगढ़ के लिए जमीनी नेतृत्व' विषय पर भारत ग्रामीण संगोष्ठी के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। नीति-निर्माताओं, विचारकों और जमीनी स्तर के प्रतिनिधियों ने इस बात पर अपने विचार साझा किए कि ग्रामीण बदलाव की अगली पीढ़ी का नेतृत्व कौन करेगा। इसमें यह भी चर्चा की गई कि सार्वजनिक संस्थान समुदायों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां कैसे तैयार कर सकते हैं।

इस गोष्ठी का एक मुख्य आकर्षण 'ग्राम संवाद: ग्रामीण भारत का भविष्य गढ़ते समुदाय' था। यह अपनी तरह की पहली चर्चा थी जिसमें नीतिगत चर्चाओं के केंद्र में समुदाय की आवाज़ को रखा गया। महिला लीडर्स, प्रगतिशील किसानों, चुने हुए प्रतिनिधियों और जमीनी स्तर के संस्थानों ने आजीविका बेहतर बनाने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और एक सशक्त समुदाय बनाने को ले कर अपने अनुभव साझा किए।

वन महोत्सव : छत्तीसगढ़ में पीपल फॉर पीपुल अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ करते हुए नया रायपुर में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपनी माँ के नाम पर पीपल का पौधा लगाकर प्रदेशव्यापी 'पीपल फॉर पीपुल' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में 2500 से अधिक पीपल के पौधे रोपे गए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को जीवनदाता माना गया है और पीपल का वृक्ष विशेष रूप से आस्था, आध्यात्मिक चेतना तथा पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। यह वृक्ष सर्वाधिक ऑक्सीजन देने वाले वृक्षों में माना जाता है और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान शुरू किया जो आज जनआंदोलन बन चुका है। छत्तीसगढ़ में भी इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला है। पिछले दो वर्षों में प्रदेशभर में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं तथा इस वर्ष ढाई करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घर, खेत-खलिहानों की मेड़, विद्यालय, कार्यस्थल अथवा आसपास उपलब्ध खाली भूमि पर अपनी माँ के नाम एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसके पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी निभाएँ।

मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026, प्रतिवर्ष मिलेंगे 12 से 24 हजार रुपए

- चयनित कलाकारों को मिलेंगे प्रतिवर्ष 12 से 24 हजार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत प्रदेश के लोक कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। योजना का उद्देश्य पारंपरिक लोक कलाओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना, कलाकारों का सम्मान बढ़ाना तथा कला दलों के सतत विकास को नई गति प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत नृत्य-संगीत, लोक नाट्य, लोकगाथा, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र

वादक, शिल्प कलाकार, छत्तीसगढ़ी पाक कला (पारंपरिक व्यंजन) तथा छत्तीसगढ़ी सौंदर्यकला (श्रृंगार) से जुड़े कलाकार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट www.cgculture.in पर उपलब्ध हैं तथा संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, नया रायपुर स्थित कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

योजना के तहत पात्र कलाकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा। चयनित कलाकारों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार रुपये से अधिकतम 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि ई-पेमेंट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। यह राशि एक वित्तीय वर्ष में एक बार प्रदान की जाएगी।

योजना का लाभ केवल ऐसे कलाकारों को मिलेगा जिनकी सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 96 हजार रुपये से अधिक नहीं है। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ बैंक खाते का विवरण, आईएफएससी कोड तथा पैन कार्ड की छायाप्रति भी प्रस्तुत करनी होगी।

प्रविष्टियां भेजने का पता -

संचालक, संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, व्यावसायिक परिसर, द्वितीय तल, सेक्टर-27, नया रायपुर, अटल नगर (छत्तीसगढ़) 492018।

प्रविष्टियां प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भेजते समय लिफाफे पर मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 स्पष्ट रूप से अंकित करना आवश्यक होगा। प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण समिति द्वारा किया जाएगा तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची में 20 खेलों के 156 खिलाड़ी शामिल

रायपुर। राज्य शासन ने बहुप्रतीक्षित उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची आज जारी कर दी है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्त करने की नीति, 2007 के प्रावधानों के तहत राजपत्र में इस सूची को अधिसूचित किया गया है। विभाग द्वारा जारी सूची में 156 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें 20 खेलों के खिलाड़ी शामिल हैं। विगत 30 जून को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समिति की बैठक में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची को अनुमोदित कर राजपत्र में प्रकाशन के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा गया था। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव सहित समिति के सदस्यों ने वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए प्राप्त आवेदनों पर विस्तृत विचार-विमर्श तथा सभी पहलुओं की समीक्षा के बाद 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन को अंतिम स्वरूप प्रदान किया था। राजपत्र में इसका प्रकाशन कर दिया गया है।

व्यावसायिक विषयों का ब्लूप्रिंट निर्माण वर्कशॉप, 6 डोमेन पर तैयार होंगे प्रश्नपत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप वोकेशनल विषयों के ब्लूप्रिंट निर्माण हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 4 से 6 अगस्त 2026 तक चलने वाली यह कार्यशाला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण, सचिव श्रीमती पुष्पा साहू के निर्देश तथा एनसीईआरटी के परख नई दिल्ली की विभागाध्यक्ष डॉ. इन्द्राणी भादुरी के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है।

5 नए वोकेशनल ट्रेड शामिल किया गया है, जिसमें कक्षा 11वीं के लिए एपैरल एंड मेड-अप्स, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी, प्लम्बिंग, पावर तथा कंस्ट्रक्शन ट्रेडों के नए ब्लूप्रिंट तैयार किए जा रहे हैं। कक्षा 11वीं के आईटी

(ड्वज्ञ) ट्रेड के मौजूदा ब्लूप्रिंट में आवश्यकतानुसार आंशिक संशोधन किया जा रहा है। नए ब्लूप्रिंट के आधार पर भविष्य में दक्षता (कम्पीटेंसी) आधारित प्रश्नपत्र तैयार किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों की समझ, कौशल और अधिगम परिणामों का सटीक मूल्यांकन हो सकेगा।

प्रशिक्षण के दौरान मण्डल के उपसचिव डॉ. बी. रघु ने कहा कि ब्लूप्रिंट तैयार करते समय सीखने के परिणामों, दक्षताओं, शैक्षणिक उद्देश्यों, प्रश्नों के प्रकार और कठिनाई के स्तर का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

मण्डल की सचिव श्रीमती पुष्पा साहू ने बताया कि दक्षता-आधारित प्रश्नों के निर्माण से छात्रों में विषय की मौलिक समझ विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रश्नपत्र निर्माण, सेटिंग और मॉडरेशन से जुड़े विषयों पर प्रतिभागियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

पेसा कानून एवं वन अधिकार अधिनियम के टास्क फोर्स की पहली बैठक हुई

वन अधिकार का प्रभावी क्रियान्वयन हमारी प्राथमिकता : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में महानदी मंत्रालय भवन में वन अधिकार अधिनियम एवं पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम के बेहतर समन्वय, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुसूचित क्षेत्रों के समग्र एवं सतत विकास के लिए आवश्यक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेसा कानून का क्रियान्वयन ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बने। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लगभग एक-तिहाई आबादी आदिवासी समाज से जुड़ी है। ऐसे में उनकी परंपराओं, अधिकारों और विकास को ध्यान में रखते हुए पेसा कानून का

प्रभावी और आदर्श मॉडल विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेसा कानून अनुसूचित क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों के हितों की रक्षा करता है। इससे स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, ग्राम सभाओं की भूमिका को मजबूती, रोजगार के अवसरों के विस्तार तथा संतुलित एवं सतत विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा मॉडल तैयार करना है, जिससे विकास और जनभागीदारी साथ-साथ आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के बीच बेहतर समन्वय से ही अनुसूचित क्षेत्रों में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों कानूनों के प्रावधानों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जाए।

श्री साय ने कहा कि पेसा कानून का उद्देश्य ग्राम स्वशासन को मजबूत करना, स्थानीय संसाधनों पर समुदाय की सहभागिता बढ़ाना तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों तक सही जानकारी पहुँचाई जाए तथा भ्रम का तथ्यात्मक निराकरण किया जाए।

बैठक में छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, 2022 के तहत पेसा प्रावधानों के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत प्राप्त, निराकृत एवं लंबित व्यक्तिगत तथा सामुदायिक दावों की स्थिति, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार की मान्यता, संरक्षण एवं प्रबंधन की प्रगति तथा वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित किए जाने की प्रक्रिया की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेसा कानून के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा एक ही विषय पर बनाए गए अलग-अलग नियमों एवं प्रक्रियाओं के समन्वय के लिए राज्य स्तरीय कार्ययोजना समिति का गठन किया जाएगा, जो विभिन्न विभागों के नियमों का समन्वय एवं अभिसरण सुनिश्चित करेगी।

उल्लास महापरीक्षा-26 में छत्तीसगढ़ की सफलता का प्रतिशत 89.44 रहा

श्रीकंचपनथ समाचार

- 15 अगस्त को आयोजित होगी राज्यव्यापी उल्लास महा-चौपाल

रायपुर। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्यव्यापी उल्लास महापरीक्षा अभियान का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ का कुल परिणाम 89.44 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें प्रदेश के शत-प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को नया आधार दिया है।

इस परीक्षा में कुल 3 लाख 93 हजार 661 परीक्षार्थी में से 3 लाख 52 हजार 089 शिक्षार्थी सफल घोषित हुए। महिला में 2 लाख 68 हजार 048 महिला सफलता परीक्षार्थियों में 2 लाख 41 हजार 593 उत्तीर्ण हुई। पुरुष परीक्षार्थियों 1 लाख 25 हजार 531 में से 1 लाख 10 हजार 416 उत्तीर्ण घोषित किए गए है। 92 ट्रांसजेंडर परीक्षार्थियों में से 80 उत्तीर्ण हुए।

बालोद, धमतरी, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान, कोरिया, महासमुंद और सूरजपुर जिलों ने 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके अलावा रायपुर में 68.24 प्रतिशत, नारायणपुर में 64.19 प्रतिशत, मुंगेली में 62.94 प्रतिशत और बीजापुर में 56.15 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे।

आत्मसमर्पित नक्सलियों और बंदियों ने कलम थाम रचा इतिहास

केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशों के अनुरूप नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और पुनर्वास पर दिए गए विशेष जोर का परिणाम इस परीक्षा में दिखाई दिया। 651 आत्मसमर्पित नक्सली बस्तर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और गरियाबंद जिलों के पुनर्वास केंद्रों में रह रहे, जिनमें से 651 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने मुख्यधारा से जुड़कर उत्साहपूर्वक परीक्षा दी। विभिन्न जिला जेलों (नारायणपुर, सुकमा, कांकेर, मुंगेली, कोरबा, सक्ती और खैरागढ़-छुईखदान) से 190 बंदियों ने परीक्षा में भाग लेकर शिक्षा के जरिए सुधार का मिसाल पेश किया। अभियान में पति-पत्नी, सास-बहू, दादा-पोता ने साथ-साथ हिस्सा लिया। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के धोबहर निवासी 86 वर्षीय मोहन लाल गुप्ता और 75 वर्षीया श्रीमती लक्ष्मी सोनी ने परीक्षा देकर यह साबित किया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक मील का पत्थर बताते हुए सभी अधिकारियों, शिक्षकों और कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950